हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹101119/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹123500/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹134812/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand® Jewels
Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

देशभर में 2026 का पहला सुपरमून दिखा

नई दिल्ली। देशभर में शनिवार की रात सबसे बड़ा चांद यानी सुपरमून दिखाई दिया। यह 2026 का पहला सुपरमून है। इस दौरान चंद्रमा का आकार सामने से करीब 14 गुना बड़ा दिखा। साथ ही 30फीसदी ज्यादा चमकीला भी नजर आया। सुपरमून को बिना किसी उपकरण के भी आसानी से देखा जा सकता है लेकिन अगर कोई दूरबीन या छोटा टेलिस्कोप इस्तेमाल करे।, तो चांद की सतह की बनावट ज्यादा साफ नजर आती है। यह सुपरमून अक्टूबर से शुरू हुए चार महीनों के सुपरमून रन का आखिरी था।

डीवीसीएम मंगतू व कोण्टा एरिया कमेटी का एसीएम हितेश गिरपुंजे की हत्या में थे शामिल

आकाश गिरपुंजे के हत्यारे ढेर, सुकमा में 12 व बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए

नक्सलवाद के खात्मे के लिए चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों ने वर्ष 2026 की सबसे बड़ी और पहली मुठभेड़ में शनिवार को 6 महिला समेत 14 नक्सली मार गिराए गए। सुरक्षाबलों के लिए शनिवार का दिन सफल साबित हुआ। बस्तर में जहां 14 नक्सलियों को मार गिराया गया, वहीं पड़ोसी राज्य तेलगांना में करोड़ों के 20 नक्सलियों ने समर्पण कर दिया। इनमें बटालियन चीफ बारसे देवा भी शामिल है, जिसने अपने साथियों के साथ हथियार डाल दिया। समर्पण के दौरान 48 हथियार भी डीजीपी तेलगांना के सुपुर्द किया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

सुकमा जिले में हुए मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में डीवीसीएम मंगतू व कोण्टा एरिया कमेटी का एसीएम हितेश भी शामिल है, जो सुकमा के एएसपी आकाश राव गिरपुंजे की हत्या में शामिल थे। जवानों ने मारे गए नक्सलियों के शव के अलावा अत्याधुनिक हथियार व गोला बारूद भी बरामद किया है।

- फोर्स ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए, मरने वालों में 6 महिला और 8 पुरुष नक्सली

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 24 घंटे पहले सुकमा व बीजापुर जिले के डीआरजी की टीम सर्च अभियान में रवाना हुई थी। सुबह लगभग 5 बजे से अलग अलग स्थानों में नक्सलियों व जवानों के बीच हो रही गोलीबारी की आवाज गूंजती रही। दोपहर लगभग एक बजे तक कई बार हुई मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग में 14 नक्सलियों के शव बरामद किए। बीजापुर के जंगल में 10-15 सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर डीआरजी बीजापुर ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। बीजापुर के थाना बासागुड़ा के गगनपल्ली-मुरकीपार के जंगल पहाडों में डीआरजी बीजापुर एवं माओवादियों के बीच सुबह 5 बजे से रुक-रुककर फायरिंग हुई। यहां हुए मुठभेड़ में जवानों ने 5-5 लाख रुपए के ईनामी एक महिला व एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया है।

सीएम साय ने कहा-बस्तर में स्थायी सूर्योदय सुनिश्चित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विश्वास, विकास और सुरक्षा ही बस्तर की नई दिशा है, जहां अब हिंसा नहीं, शांति ही एकमात्र विकल्प बन चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर रेंज के बीजापुर और सुकमा जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में निर्णायक सफलता प्राप्त हुई है, जिसमें 14 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के कारण माओवादी नेटवर्क तेजी से कमजोर हो रहा है।

एएसपी की हत्या के थे मास्टरमाइंड

डीवीसीएम मंगडू व एसीएम हितेश भी ढेर

बीजापुर जिले में तड़के हुई मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने डीवीसीएम मंगडू व एसीएम हितेश समेत 12 नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि सुकमा और बीजापुर में मारे गए नक्सली कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं। सुकमा में मारे गए 12 नक्सलियों में डीवीसीएम मेंबर मंगडू व एसीएम हितेश का भी शव मिला है, दोनों कोंटा में आईईडी विस्फोट मामले के मास्टरमाइंड थे, जिसमें एएसपी आकाश राव गिरिपूंजे शहीद हुए थे।

नक्सल उन्मूलन में ऐतिहासिक रहा वर्ष 2025 में मारे गए थे 256 नक्सली

वर्ष 2025 में बस्तर संभाग के अलग अलग जिले में 256 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। साल 2025 में मुठभेड़ों के बाद, सर्च ऑपरेशन के दौरान और सरेंडर नक्सलियों से 665 हथियार भी बरामद हुए थे। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बीते वर्ष 1560 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इसके अलावा 52 से ज्यादा नए सुरक्षा कैंप खोले गए थे। इस वर्ष हुए बड़े मुठभेड़ ▶▶| शेष पेज 6 पर

बड़ी तैयारी

गृहमंत्री अमित शाह इसी माह कर सकते हैं नक्सलवाद पर समीक्षा

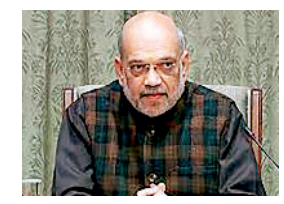

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। उनके ऐलान के बाद से लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चल रहा है और अब नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। डेडलाइन के लिए अब तीन माह से भी कम का समय बचा है। खबर है कि नक्सलवाद में आखिरी कील ठोकने की तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसी महीने छत्तीसगढ़ दौरे पर आ सकते हैं और नक्सलवाद की समीक्षा कर सकते हैं। उल्लेखनीय ▶▶| शेष पेज 6 पर

रणनीति पर चर्चा

जानकारों का कहना है कि अमित शाह इस माह रायपुर आएंगे और नक्सलवाद को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा के साथ नक्सल मोर्चे से जुड़े सारे अधिकारी रहेंगे। बैठक में अब तक क्या-क्या हुआ है और आगे की क्या रणनीति है इसको लेकर चर्चा होगी। मार्च तक किस तरह नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म किया जाए इस पर मंथन किया जाएगा।

पांच माह से जेल में बंद चैतन्य रिहा, जेल परिसर में उमड़े समर्थक, भूपेश-महंत एक गाड़ी में लेकर आए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की की शनिवार को रायपुर सेंट्रल जेल से रिहाई हो गई। रिहाई के वक्त सेंट्रल जेल में समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ परिसर में दाखिल हो गई। रिहाई होने के बाद चैतन्य बघेल को लेने उनके पिता के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सेंट्रल जेल परिसर पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे जैसा ही जेल से बाहर निकले कार्यकर्ता उन्हें कंधों पर उठा लिए और जमकर नारेबाजी करते हुए उनका ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। बाहर आने के बाद चैतन्य ने ▶▶| शेष पेज 6 पर

नेताम बोले

कवासी लखमा के लिए कभी क्यों पोस्टर नहीं लगा

चैतन्य बघेल की जमानत पर सत्यमेव जयते के पोस्टर लगाए गए हैं। इस पर कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, कवासी लखमा तो कब से जेल में बंद हैं, उनके लिए कभी क्यों ▶▶| शेष पेज 6 पर

हिड़मा के उत्तराधिकारी बारसे देवा ने 19 साथियों के साथ किया समर्पण, 1.82 करोड़ का इनाम, डीजीपी को 48 हथियार भी सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पिछले दो दिन से बारसे देवा व साथी नक्सलियों की गिरफ्तारी व समर्पण की खबर के बीच शनिवार को बारसे देवा समेत 20 नक्सलियों के समर्पण की अधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। सभी ने तेलगांना डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष हथियार डाल दिया है।

समर्पण के दौरान नक्सलियों ने 48 अत्याधुनिक हथियार भी सौंपे, इन हथियारों में अमेरिकी कोल्ट राइफल व इजरायल निर्मित टैवोर राइफल भी शामिल है। नक्सली अपने साथ 20 लाख से अधिक नगद रकम भी साथ लेकर पहुंचे थे। वर्ष 2026 की शुरूआत में माओवादी संगठन को लगा यह बड़ा झटका है। कुख्यात नक्सली नेता और मारे गए नक्सली

लीडर सीसी मेंबर माड़वी हिड़मा का उत्तराधिकारी माने जाने वाले बटालियन चीफ बारसे देवा ने शनिवार को तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष अपने 19 साथियों के साथ सपर्मण कर दिया है। सीसी मेबर हिड़मा के मारे जाने के बाद देवा को माओवादी संगठन ने बटालियन चीफ नियुक्त किया था। माओवादियों की सबसे घातक मानी जाने वाली पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरीला आर्मी) बटालियन पूरी तरह से कमजोर पड़ चुकी है। देवा संगठन के लिए अत्याधुनिक हथियार जुटाने और हथियारों की सप्लाई चेन बनाए रखने में मुख्य भूमिका निभाता रहा है। समर्पण के दौरान तेलगांना ▶▶| शेष पेज 6 पर

हथियारों के जखीरा व नगद के साथ पहुंचे

तेलगांना डीजीपी के समक्ष समर्पण करने पहुंचे बारसे देवा व उसके साथी अपने साथ 48 हथियार भी लेकर पहुंचे थे। इन हथियारों में 2 एलएमजी, 1 अमेरिकी निर्मित कोल्ट राइफल, 1 इजराइल निर्मित टैवोर राइफल, 8 एके-47 राइफल, 10 इंसास राइफल, 8 एसएलआर राइफल, 4 बीजीएल, 11 सिंगल-शॉट, 2 ग्रेनेड, 1 एयर गन, साथ ही विभिन्न कैलिबर के 2,206 राउंड व गोला बारूद शामिल है। इसके अलावा 20 लाख रूपए से अधिक नगद रकम भी तेलगांना पुलिस को सौंपने की खबर है।

तरकश

संजय के दीक्षित

ब्यूरोक्रेसी में संक्रमण काल

चीफ सिकरेट्री विकास शील कल पांच जनवरी को सभी 34 सचिवों की बैठक लेने जा रहे हैं। इसमें लास्ट मीटिंग में जो टास्क दिए गए थे, उस पर सवाल होगा। विकास शील लगभग हर 15 रोज में सचिवों की क्लास लगा रहे हैं। ऐसा 25 साल में कभी हुआ नहीं। सुनिल कुमार जैसे सबसे तेज-तर्रार चीफ सिकरेट्री के दौर में भी नहीं। टास्क देकर सचिवों को कभी तगादा नहीं किया गया। उपर से भरी बैठक में बिना लाग-लपेट के टोक और नसीहत। अफसरों ने ऐसी स्थिति की कभी कल्पना नहीं की थी। सही भी है...देश की सर्वोच्च सर्विस में सलेक्ट होने के बाद सात घंटा काम करना पड़े, भरी मीटिंग में बात सुननी पड़े, आने-जाने का टाईम नोट किया जाए, तो अधिकारियों का अभिमान आहत होगा ही। उधर, पीएस टू सीएम सुबोध सिंह अफसरों के कामों को वॉच करने अपना अलग अटल पोर्टल लगाकर बैठे हैं। सिकेट्री टू सीएम राहुल भगत सुशासन का एक अलग विभाग खोलवा डाले हैं। जाहिर है, छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में संक्रमण काल चल रहा है। याने पुराने से नए दौर में बदलाव की अवस्था। राज्य बनने के बाद 25 साल नौकरशाही अपने मस्त अंदाज में चलती रही। ढाई दशक का यह वक्त शाही ठाठ-बाट और लक्ष्मीजी की प्राप्ति का रहा। जमीन-जायदाद, फार्म हाउसेज, रियल इस्टेट में इंवेस्टमेंट। बिल्डरों, भूमाफियाओं से गलबहियां। मगर, अब चीजें बदल रही हैं। नॉन परफॉर्मिंग किनारे किए जा रहे हैं, परफार्मिंग को अहमियत मिल रही। सिस्टम को डिटॉक्स कर एकाउंटबिलीटी तय की जा रही है। ऐसे में, अफसरों को तकलीफ होना स्वाभाविक है।

100 करोड़ की शराब

छत्तीसगढ़ में साल 2025 की तुलना में 2026 का स्वागत जोरदार रहा। पिछले साल की तुलना में लोगों ने खूब मौज-मस्ती की। होटल, रिसोर्ट एक दिन पहले से फुल हो गए थे। अब मौज-मस्ती बिना शराब के तो हो नहीं सकती। इसलिए, शराब भी इस बार ठीकठाक बिक गई। दो दिन का रेवेन्यू अबकी 100 करोड़ क्रॉस कर गया। छत्तीसगढ़ में पिछले साल 31 दिसंबर और एक जनवरी को 46 और 50 करोड़ की शराब बिकी थी, इस बार थर्टी फर्स्ट को 53 करोड़ और एक जनवरी को 49 करोड़ की बिक्री हुई। याने 102 करोड़ की। इससे एक दिन पहले 30 दिसंबर को भी लोग 36 करोड़ की देसी और अंग्रेजी शराब गटक गए।

ओएसडी की छुट्टी क्यों?

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के ओएसडी विपुल गुप्ता की छुट्टी सत्ता के गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। डिप्टी सीएम ने विपुल को ओएसडी बनाया था, तब वे पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पाटन के एसडीएम थे। इसको लेकर तब खूब टिका-टिप्पणी हुई थी। फिर भी विपुल ने वहां पूरे दमदारी से काम किया और शानदार दो साल निकाला। मगर जिस अंदाज में उनकी विदाई हुई, स्पष्ट है कि कहीं से कुछ हुआ। तभी मैसेज देने 31 दिसंबर की रात आठ बजे, जब नए साल के स्वागत के स्वागत के मोड में पूरा प्रदेश आ गया था, विपुल गुप्ता की छुट्टी का आदेश निकालने जीएडी सिकेट्री अंशिका पाण्डेय को फोन किया गया। अब प्रश्न उठता है...31 दिसंबर की रात ओएसडी की विदाई क्यों? इसकी तीन संभावित वजह गिनाई जा रही हैं। दो को लिखा नहीं जा सकता। तीसरे की अभी पुष्टि नहीं हुई है। आपको कुछ पता चले तो बताइयेगा।

आर्मीमैन ओएसडी

राज्य प्रशासनिक सेवा के सीनियर अफसर अजय त्रिपाठी को डिप्टी सीएम अरुण साव का नया ओएसडी बनाया गया है। अजय एयरफोर्स से रिटायर होकर आर्मी कोटे से राप्रसे अधिकारी बने। वे अंबिकापुर में एसडीएम तो बिलासपुर जैसे निगम में कमिश्नर रह चुके हैं। राप्रसे अधिकारियों ने भले ही उन्हें स्टेट प्रेसिडेंट की कुर्सी पर बिठा दिया है, मगर तीन-पांच वाले वे हैं नहीं। कवर्धा में जिला पंचायत सीईओ बनकर गए तो एक वीआईपी ने उनका बंगला ही हड़प लिया। बेचारे को रातोरात बोरिया बिस्तर बांध कर सर्किट हाउस में शरण लेनी पड़ी थी। वहां से छूटे तो दूसरे उप मुख्यमंत्री के पास पहुंच गए। चलिये...एक्स आर्मीमैन को ओएसडी बनाकर अरुण साव लगता है अपनी छबि को लेकर संजीदा हुए हैं।

ओएसडी या इंतजाम अली!

छत्तीसगढ़ सरकार गुड गवर्नेंस पर काफी काम कर रही है। उसे कुछ सालों में शुरू हुई खराब परंपराओं को बदलना चाहिए। इनमें राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को ओएसडी बनाना भी है। पीएससी परीक्षा क्लियर कर राप्रसे अधिकारी मंत्रियों के यहां इंतजाम अली का काम करें, सूबे के लिए ये किसी विडंबना से कम नहीं। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के दौर में दो-तीन राप्रसे ओएसडी थे। पिछली सरकार में सारे मंत्रियों के ओएसडी डिप्टी कलेक्टर हो गए। और इस सरकार में भी वही हो रहा है। मंत्री के बंगले में बैठ सारे काले-पीले कामों को ओएसडी अंजाम देते हैं। मंत्रियों की जिस रास्ते की जानकारी नहीं होती, वो ओएसडी लोग सुझाते हैं। वे इंतजाम अली की भूमिका निभाते हैं और खाजांची की भी। रमन सरकार के दौर में अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत जैसे मंत्री कभी भी अपने स्टाफ को लिमिट क्रॉस करने की छूट नहीं दी, इस वजह से इन मंत्रियों पर कोई इल्जाम नहीं लगा। इस सरकार में ओपी चौधरी के स्टाफ को मंत्रालय से आदेश निकलने के बाद पता चलता है कि उनके विभागों में ट्रांसफर हुआ है।

ऐतिहासिक फैसला, मगर...

छत्तीसगढ़ की मंत्रिपरिषद ने पुलिस में बड़ा रिफार्म करते हुए रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रारंभ करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके लिए 23 जनवरी का डेट भी फायनल कर दिया गया है। इसके बाद देश के पुलिस कमिश्नर सिस्टम के नक्शे में छत्तीसगढ़ का नाम भी जुड़ जाएगा। मगर इसके लिए जो एरिया तय किया गया है, वह इसकी सफलता पर संशय खड़ा करता है। पंडरी के आगे का पुराना विधानसभा थाना, माना, नवा रायपुर, अभनपुर जैसे बाहरी इलाके इससे अलग होंगे। याने पुलिस कमिश्नर का कार्यक्षेत्र सिटी एसपी से भी कम हो गया। जबकि, गृह विभाग भी इस वास्तविकता ये अवगत होगा कि शहरों के आउटर में ही सबसे अधिक क्राइम होते हैं और आउटर ही क्रिमिनल के ठौर-ठिकानों के लिए सबसे मुफीद होते हैं। और यही इलाके पुलिस कमिश्नर के दायरे में नहीं होंगे। फिर यह भी...माना एयरपोर्ट पर कोई वीवीआईपी आएगा तो ग्रामीण एसपी उसे रिसीव करेंगे और वीआईपी रोड पर आने के बाद फिर पुलिस कमिश्नर। रायपुर से मंत्रालय और विधानसभा जाने वाले मंत्रियों के लिए अब डबल पायलेटिंग की व्यवस्था करनी होगी। माना थाना से पहले तक रायपुर पुलिस कमिश्नर अपनी गाड़ी लगाएंगे और माना के आगे रायपुर ग्रामीण एसपी की व्यवस्था रहेगी। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि पुलिस कमिश्नर को सरकार कौन-कौन सा अधिकार देगी, फिलहाल, प्रश्न यह है कि जब आधे से कम जिले में कमिश्नर सिस्टम लागू होगा तो रिजल्ट की अपेक्षा क्यों और कैसे की जाएगी? निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस में रिफार्म का बड़ा प्रयास किया है। मगर पता नहीं कैसे, इसमें कुछ कसर रह गई, उसे दूर करना चाहिए।

वोट जरूरी या प्रदेश

तमनार हिंसा में महिला पुलिस का वीडियो देखकर गृह विभाग और पुलिस महकमे की नजरें नीचे हुई कि नहीं...ये मालूम नहीं। मगर यह जरूर है कि पार्टी-पॉलिटिक्स से दूर अब छत्तीसगढ़ में पोलिसिंग को सशक्त बनाने का समय आ गया है। वरना, स्थिति इतनी खराब हो जाएगी कि उसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। पिछले पांच सालों की घटनाओं पर गौर करें तो सुकमा कलेक्ट्रेट में भीड़ का घुसकर तोड़फोड़ करना, नारायणपुर में एसपी पर हमला, बलौदा बाजार में कलेक्ट्रेट, एसपी ऑफिस को फूंक देना। सरगुजा के अमेरा कोल ब्लॉक में पुलिस पर पथराव। 10 दिन के भीतर कांकेर और तमनार जैसी हिंसा। महिला पुलिस पर तालिबानी हमला। जाहिर है, वोट बैंक के चक्कर में छत्तीसगढ़ के गांव जातियों में बंटते जा रहे, शहरों में धार्मिकता बढ़ रही तो शांतप्रिय माने जाने वाले कुछ वर्गों में आक्रमता घर कर रही है। इसके लिए पुलिस का पेशेवर होना जरूरी हो गया है। नहीं तो नक्सलवाद के नासूर से मुक्ति के बाद प्रदेश दूसरे संघर्ष में उलझ जाएगा। सियासी लोगों को भी समझना होगा...वोट का कोई मतलब तभी होगा, जब प्रदेश में सब ठीक रहेगा। और शांति के लिए पुलिस का संशाधनों से लैस होना आवश्यक है। वैसे भी पुलिस कोई सामान्य विभाग नहीं। वह आम आदमी का भरोसा है। बड़े और रसूखदार लोगों के खुद का कनेक्शन होने से उनका कोई काम रुकता नहीं। मगर कोई विपदा आने पर आम आदमी सबसे पहले थाने पहुंचता है। उसी पुलिस पर अगर लात-जूते और डंडे बरसाये जाएं, तो सोचिए आम आदमी के विश्वास पर यह कितनी बड़ी चोट होगी। इसलिए, पोलिसिंग को टॉप प्रायरिटी देने का वक्त आ गया है।

उधार में खुफिया

मध्यप्रदेश के दौर में एलआईबी का बड़ा तगड़ा नेटवर्क होता था। कॉफी हाउस, सामाजिक संगठनों और अखबार के दफ्तरों में एलआईबी वाले आए दिन बैठे होते थे। मगर छत्तीसगढ़ बनने के बाद खुफिया विभाग पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। 25 साल में छत्तीसगढ़ के इंटेलिजेंस में एक आदमी की भर्ती नहीं हुई। जबकि, खुफिया में डीएम अवस्थी, मुकेश गुप्ता, अशोक जुनेजा जैसे अफसर रहे। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ का इंटेलिजेंस उधार के पुलिस कर्मियों के भरोसे खींचता रहा। अब उधार याने डेपुटेशन पर आने वालों से इंफरमेशन की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्हें तो मालूम है कि दो-चार साल बाद फिर अपने थानों में लौट जाना है। अब आवश्यक हो गया है, रेगुलर भर्तियां कर खुफिया सिस्टम को मजबूत किया जाए।

डीएमएफ दोषी

कहा जाता है कि लीडर अगर बढ़िया रहें तो नीचे वाले अपने आप अच्छे हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ के साथ बुरी स्थिति यह हुई कि पुलिस के लीडर ही बहक गए। इसके लिए काफी कुछ जिम्मेदार पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह और कलेक्टरों का डीएमएफ रहा। रमन सिंह ने शराब के ठेके बंद कर दिए और उपर से ट्रांसपोर्ट के बैरियर हटा दिए। पुलिस को मुख्यतः शराब और बैरियर से पैसे आते थे...रमन सरकार के फैसले से आय के दोनों जरिये क्लोज हो गए। उधर, कलेक्टरों का डीएमएफ और बढ़ता गया। कलेक्टर दोनों हाथ से लक्ष्मीजी की आवभगत करते रहे और बेचारे एसपी उन्हें देखकर कसमसाते रहे। बहरहाल, आय के इन दोनों स्त्रोतों के बंद होने का नतीजा रहा कि पुलिस को अपना लेवल डाउन कर कबाड़ी, जुआ-सट्टा पर अपना फोकस बढ़ाना पड़ा। फिर भी कम पड़ा तो एसपी लगे थानों का रेट फिक्स करने। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में अब ये चलन बन गया है। थानों की बोली लगती है। छत्तीसगढ़ के 50 थाने ऐसे हैं, जिसके लिए प्रति महीने दो पेटी से लेकर पांच पेटी तक की बोली लगती है। जाहिर सी बात है, थानेदार महीने का दो लाख देगा तो पांच लाख का इंतजाम अपने लिए भी करेगा। ऐसे में, पोलिसिंग की उम्मीद क्यों की जानी चाहिए?

118 नेताओं में चुनाव

बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए पूरा एक साल एक्सरसाइज किया। 28 राज्यों के 40 से 50 साल के युवा नेताओं का डेटाबेस तैयार किया। सबकी कुंडली खंगालने और फिल्टर करने के बाद 18 की लिस्ट बनाया गया। बताते हैं, यह काम इतनी सर्तकता के साथ किया गया कि किसी को भनक नहीं लग पाई कि इसका असली मकसद क्या है। डेटा एकत्र करते समय बताया गया कि पार्टी भविष्य के युवा नेताओं का सर्वे करा रही है। बहरहाल, 18 के फायनल पेनल में एक नाम बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन का था। पार्टी ने उन्हें उपयुक्त मान कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया। यह जानकार आपको आश्चर्य होगा कि स्क्रूटनी के बाद तैयार की गई 18 में छत्तीसगढ़ के एक युवा नेता का नाम भी शामिल था।

2019 बैच कंप्लीट

छत्तीसगढ़ के दो जिले के कलेक्टर डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। संभवतः इसी महीने उनका पोस्टिंग आर्डर निकल जाए। इसके बाद कलेक्टरों की एक लिस्ट निकलेगी। काफी संभावना है कि इस लिस्ट में 2019 बैच की कलेक्टरी कंप्लीट हो जाए। इस बैच के विश्वदीप और रैना जमील को छोड़ सभी कलेक्टर बन गए हैं। जीतेंद्र यादव को सबसे पहले राजनांदगांव का कलेक्टर बनाया गया। उनके बाद नम्रता जैन को कोंडागांव और अमित कुमार को सुकमा। नए साल में विश्वदीप और रैना जमीन को कलेक्टरी का तोहफा मिल सकता है। हालांकि, विश्वदीप रायपुर नगर निगम कमिश्नर हैं। रायपुर निगम कमिश्नर की पोस्टिंग छोटे जिलों की कलेक्टरी से ज्यादा एक्सपोजर वाली होती है। इसलिए, विश्वदीप को भी कलेक्टर बनने की कोई जल्दी नहीं होगी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. इस बात में कितनी सत्यता है कि छत्तीसगढ़ में होली के बाद पूरे मंत्रिमंडल का इस्तीफा हो जाएगा?
2. छत्तीसगढ़ में आईपीएस जीपी सिंह को लेकर चर्चाएं क्यों शुरू हो गई है?

प्रदेश के 221 स्थानों में होगा आयोजन

हिंदू सम्मेलन के बाद अब युवा सम्मेलन आरएसएस 221 जगहों पर करेगा आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इसके लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। सबसे अहम हिंदू सम्मेलनों का आयोजन है। राजधानी रायपुर में एक बड़ा हिंदू सम्मेलन किया गया। इसमें आरएसएस के प्रमुख डा. मोहन भागवत आए थे। हिंदू सम्मेलन लगातार आरएसएस के मंडलों और शहर की बस्तियों में चल रहे हैं। ये सम्मेलन मकर संक्रांति तक चलेंगे। इसी के साथ इस माह अब युवा सम्मेलनों का भी आगाज होगा। ये सम्मेलन प्रदेश के 221 स्थानों में होंगे। इसका आगाज कब से होगा, इसका फैसला 10 जनवरी को दुर्ग में होने प्रांत की बैठक में होगा।

आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष में साल भर के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसका आगाज विजयादशमी से किया गया। विजयादशमी पर आरएसएस हमेशा से पथ संचलन का आयोजन करता है। इस बार दो अक्टूबर को विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक प्रदेश में दो हजार स्थानों पर पथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। प्रदेश के हर गांव के हिंदू परिवारों के घरों तक स्वयंसेवक गए और उनको आरएसएस के सौ सालों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को संघ का साहित्य भी वितरित किया गया। सबसे अहम सभी घरों में भारत माता की तस्वीर दी गई।

मकर संक्रांति तक हिंदू सम्मेलन

आरएसएस हिंदू समाज को संगठित करने के लिए ही देश भर में हिंदू सम्मेलन आयोजित कर रहा है। छत्तीसगढ़ में आरएसएस के 1601 मंडल हैं। ये मंडल प्रदेश के 19 हजार से ज्यादा गांवों को मिलाकर बनाए गए हैं। एक मंडल में आठ से दस गांवों का रखा गया है। अब हर मंडल में हिंदू सम्मेलन किए जा रहे हैं। इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में 666 बस्तियां हैं। इनमें भी हिंदू सम्मेलन हो रहे हैं। आधे से ज्यादा स्थानों में हिंदू सम्मेलन हो गए हैं। बचे स्थानों में मकर संक्रांति तक सम्मेलन पूरे कर लिए जाएंगे।

आदेश की अवमानना तहसीलदार रायगढ़ को हाईकोर्ट का नोटिस

बिलासपुर। आदेश की अवमानना के मामले में तहसीलदार रायगढ़ शिव कुमार डनसेना को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। मामला अवैध निर्माण एवं गलत सीमांकन का है। दरअसल रायगढ़ जिले के ग्राम तमनार के रहने वाले प्रदीप कुमार गुप्ता ने अपने अधिवक्ता अब्दुल वहाब खान के मार्फत याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि उसकी जमीन ग्राम जगतपुर रायगढ़ पटवारी हल्का नंबर 14 प्लाट नंबर 59 /3 व 59/4 कुल रकबा 11 डिसमिल भूमि स्थित है। जिसका सीमांकन अवैध तरीके से करते हुए कालोनाइजर को फायदा पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। हाईकोर्ट ने दो जनवरी 2024 को रायगढ़ जिले के कलेक्टर सहित तहसीलदार एवं एसडीओ को निर्देश जारी किया था कि वे याचिकाकर्ता के द्वारा दिए गए अभ्यावेदन के आधार पर संपूर्ण प्रकरण की जांच करें एवं जांच करने पर यदि किसी का भी अवैध कब्जा पाया जाता है तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाए।

सीआईडीसी के रिटायर कैशियर के मकान खाली करने पर रोक

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने सीआईडीसी के सेवानिवृत्त कैशियर को तीन दिनों के अंदर आवास खाली करने जारी नोटिस पर रोक दी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को संबंधित प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन देने एवं अधिकारी को इस पर निर्णय होने तक याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता ओ.पी ठाकुर छत्तीसगढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीआईडीसी लिमिटेड) के सेवानिवृत्त कैशियर/अकाउंटेंट हैं। उन्हें कोरबा की राज्य परिवहन कालोनी में आवास दिया गया है। सीआईडीसी से सेवानिवृत्त देयकों को लेकर विवाद है, इस मामले को लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका पेश की है।

शिक्षिका को सेवा में लेने का आदेश, याचिका निराकृत

बिलासपुर। स्नातक की डिग्री बीएड के बाद लेने के नाम पर चयन से वंचित की गई महिला याचिकाकर्ता को सेवा में लेने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था। शासन द्वारा यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी किए जाने के कारण बाद में दायर अवमानना याचिका निराकृत कर दी गई है। जगदलपुर बस्तर जिले के अंतर्गत वर्ष 2019 में शिक्षकों की भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें जगदलपुर निवासी श्रीमती जगजीत कौर भाटिया ने भी आवेदन किया। वे हिंदी में बीए स्नातक होने के साथ ही अंग्रेजी साहित्य में भी बीए कर चुकी थीं। चयन प्रक्रिया के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने श्रीमती जगजीत को चयन से यह कहते हुए बाहर कर दिया कि, आपने बीएड करने के बाद स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है , इसलिए आप पात्र उमीदवार नहीं हैं। इसके लिखित जवाब में याचिकाकर्ता जगजीत ने साफ़ बताया कि,उनका स्नातक पहले ही हो गया था। बाद में अंग्रेजी साहित्य में श्रेणी सुधार के लिए उन्होंने एक बार और रेजुएशन किया था, इस पर शिक्षा विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया। परेशान होकर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की शरण ली। जस्टिस अमितेश किशोर प्रसाद की एकल पीठ में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने माना कि, याचिकाकर्ता चयन के मानदंडों को पूरा करती है, उन्होंने पहले ही स्नातक कर लिया था। इसकी जानकारी भी विभाग को दी जा चुकी है। एकल पीठ ने 60 दिन के भीतर याचिकाकर्ता को नियुक्त करने का आदेश देकर स्कूल शिक्षा विभाग का पुराना आदेश निरस्त कर दिया। निर्धारित अवधि में नियुक्ति नहीं मिलने पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका पेश की गई।

अप्रैल से लागू होगा ग्लोबल करिकुलम, दूसरे बोर्ड से जुड़े बोर्ड भी हासिल कर सकेंगे संबद्धता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीएसई बोर्ड नई शिक्षा नीति के आधार पर नया करिकुलम तैयार कर रहा है। इसे अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र से उन सभी सीबीएसई स्कूलों में लागू करने की तैयारी है, जो भारत से बाहर दूसरे देशों में स्थित हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के बाद सीबीएसई ने ग्लोबल करिकुलम तैयार किया है। यह करिकुलम अप्रैल 2026 से लागू होगा। फाउंडेशनल स्टेज (3-8 साल) से लेकर सेकेंडरी (14-18) के लिए ग्लोबल करिकुलम तैयार किया गया है। सीबीएसई के अनुसार, इस ग्लोबल करिकुलम को लेकर अधिकारियों व विशेषज्ञों के बीच चर्चा हुई। इसके बाद करिकुलम को अंतिम रूप दिया गया है। ग्लोबल करिकुलम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुताबिक एक व्यापक रिफॉर्म प्लान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी सीखने का अनुभव प्रदान करना है। नये करिकुलम में एआई, स्किल एजूकेशन को ध्यान में रखा गया है। दूसरे बोर्ड से जुड़े स्कूल भी सीबीएसई के ग्लोबल करिकुलम के लिए आवेदन कर सकेंगे। नए ग्लोबल करिकुलम में कुछ हिस्सा सीबीएसई के लोकल करिकुलम का भी होगा। इससे एनसीईआरटी करिकुलम और इंटरनेशनल करिकुलम के बीच बेहतर तालमेल होगा।

गणित और विज्ञान के कंटेंट समान

25 देशो में सीबीएसई के 257 से ज्यादा स्कूलों के लिए यह ग्लोबल करिकुलम लागू होगा। गौरतलब है कि विदेशों में सीबीएसई स्कूलों में हर साल करीब 4.5 लाख छात्र 10वीं और 12वीं के बोर्ड एग्जाम देते हैं। इनमें बड़ी संख्या में विदेशों में बसे भारतीयों के बच्चे पढ़ते हैं। सीबीएसई के मुताबिक, गणित और विज्ञान जैसे विषय के कंटेंट में तो ज्यादा अंतर नहीं होता है, लेकिन सामाजिक विज्ञान के विषयों में बच्चों को उन देशों के कल्चर के बारे में जानना जरूरी होता है। ग्लोबल करिकुलम इसी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

MAKHIJA IVF & FERTILITY CENTRE

Faith

दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन

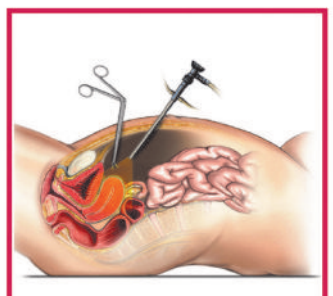

लैप्रोस्कोपी सर्जरी (दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन)

- बच्चेदानी का दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन
- बच्चेदानी की गांठ को निकालना
- अण्डाशय की चॉकलेट सिस्ट को निकालना
- ओवेरियन सिस्ट को निकालना
- फिलोपियन ट्यूब में पानी भर जाना
- बंद फिलोपियन ट्यूब खोलना शेष भाग का
- बांझपन निदान
- दूरबीन पद्धति द्वारा नसबंदी

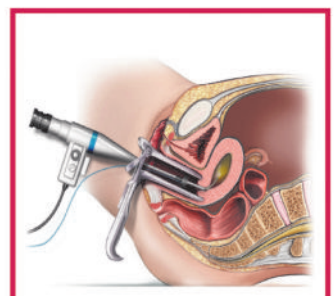

हिस्ट्रोस्कोपी सर्जरी (दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन)

- अत्याधिक रक्त स्त्राव
- बार-बार गर्भपात होना
- बच्चेदानी में दीवार को हटाना
- बच्चेदानी के अंदर की गठान
- बच्चेदानी में मस्सा
- बंद फिलोपियन ट्यूब खोलना अग्रभाग का
- बच्चेदानी की टी.बी.
- कॉपर-टी का अपने जगह से खिसक जाना

हम आपके परिवार को पूरा करते हैं...

माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

Life begins here

माखीजा हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक के पास, टेलीफ़ोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें या अपनी रिपोर्ट दिए गए नंबर पर व्हाट्सएप्प करें 8085758585

बिलासपुर

रविवार, 4 जनवरी 2026

पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा

वर्ष : 25, अंक : 283

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 20.1

न्यून. 15.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गाड़ी और एयरगन जब्त कर आरोपियों पर केस दर्ज

पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना में उपयोग की गई गाड़ी और एयरगन को विभाग ने जब्त कर लिया है। एटीआर उपसंचालक के अनुसार वन्यजीवों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। रेंजर को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में बाहरी लोगों का प्रवेश कैसे हुआ। यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बिलासपुर हाईकोर्ट लगातार टाइगर रिजर्व की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दे रहा है। ऐसे में वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई को एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है ताकि भविष्य में कोई भी नियमों को तोड़ने की हिम्मत न करे।

एटीआर के कोर जोन में हथियार लहराकर अंधाधुंध फायरिंग, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर/लोरमी

अचानकमार टाइगर रिजर्व एटीआर के प्रतिबंधित कोर जोन में भ्रमण करने के लिए पहुंचे सैलानियों ने हथियार लहराते हुए अंधाधुंध फायरिंग की, इसके बाद रील बनाकर सोशल मीडियम में वीडियो वायरल कर दिया, हंगामा मचने के बाद हरकत में आए एटीआर प्रबंधन ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी आरोपियों को 14 दिन की रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

एक जनवरी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में भ्रमण करने वाले सैलानियों की संख्या काफी बढ़ गई है। बफर को छोड़कर कोर जोन में शाकाहारी और मांसाहारी वन्यप्राणियों के अलावा टाइगर भी हैं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। इन सैलानियों के सामानों की कोई भी जांच बेरियर में नहीं की जाती है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुरही और जाखड़बांधा वन परिक्षेत्र के कोर जोन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ युवक लग्जरी गाड़ी के साथ जंगल के भीतर नजर आ रहे थे और उनके पास हथियार भी दिखाई दे रहे थे। वीडियो में युवक बेखौफ होकर फायरिंग करते दिख रहे थे, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आते ही विभाग सक्रिय हुआ और आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में घुसकर हथियार लहराने और फायरिंग करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने त्वरित एक्शन लेते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों की ⏭शेष पेज 6 पर

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आया एटीआर प्रबंधन

बेरियर गार्ड हटा और रेंजर को नोटिस जारी: अचानकमार टाइगर रिजर्व के संवेदनशील इलाके में बाहरी युवकों का गाड़ी सहित प्रवेश करना सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर रहा था। एटीआर के उपसंचालक ने ड्यूटी पर तैनात बैरियर गार्ड को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही रेंजर की भूमिका की भी जांच की जा रही है कि आखिर उनकी मौजूदगी में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई है।

पकड़े गए हैं आरोपी

अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में कुछ लोग अंदर प्रवेश कर लिए थे। इस दौरान उनके पास एयरगन भी था, जिसे लहराने और अंधाधुंध फायरिंग का रील बनाने वाले वीडियो भी वायरल हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। वहीं स्टाफ से भी गाड़ी और एयरगन के अंदर कैसे प्रवेश किया गया, इसके संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अरूण पाण्डेय, पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मोदी आज करेंगे वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वाराणसी के 'डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम' में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। चार से 11 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में पूरे देश से 1,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतिनिधित्व करने वाली 58 टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी।

कांस्टेबल ने गोली मारकर की आत्महत्या

जैसलमेर। पुलिस लाइन में एक कांस्टेबल ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह घटना जैसलमेर पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में हुई और मृतक की पहचान कांस्टेबल नरेंद्र मीणा के रूप में हुई है। मीणा शनिवार सुबह अपने कमरे से बाहर नहीं निकले, जिससे उनके साथियों को शक हुआ और दरवाजा तोड़कर देखा तो कमरे के अंदर खून से लथपथ उनका शव पड़ा था।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू की शुरुआत

पुडुकोट्टई। तमिलनाडु में शनिवार को इस साल के पहले जल्लीकट्टू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुडुकोट्टई जिले के थचनकुरिची गांव में आयोजित इस प्रतियोगिता में 900 से अधिक सांडों और लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में तिरुचिरापल्ली, डिंडीगुल और शिवगंगा सहित पड़ोसी जिलों के सांड शामिल हुए।

दिल्ली विस्फोट का आरोपी बिलाल हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को लालकिले के पास हुए विस्फोट मामले के आरोपियों में से एक डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मल्ला को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। मल्ला को 26 दिसंबर को आठ दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था।

कोलकाता नाइट राइडर्स से बांग्लादेशी रहमान आउट

गुवाहाटी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया।

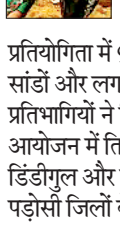

अमेरिका का बड़ा हमला : सात जगहों पर बम धमाके, नेशनल इमरजेंसी घोषित

आधी रात अटैक, वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठा ले गए अमेरिकी सैनिक!

एजेंसी ⏭ काराकस (वेनेजुएला)

अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर 'बड़े पैमाने पर हमला' किया। अमेरिका ने कहा है कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर ले जाया गया है। अमेरिका ने इसे एक असाधारण रात्रिकालीन अभियान बताया, जिसकी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले के कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर की।

हमले के दौरान विस्फोट की कई आवाजें सुनाई दीं और कम ऊंचाई पर उड़ान भरते विमान राजधानी काराकस के ऊपर से गुजरे, जबकि मादुरो की सरकार ने तुरंत ही अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे 'साम्राज्यवादी हमला' करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश में शासन किसके हाथ में है, और यह भी जानकारी नहीं है कि मादुरो अभी कहा हैं। ट्रंप ने सुबह 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के थोड़े देर बाद ट्रुथ सोशल पर इस घटनाक्रम की घोषणा की। वेनेजुएला के कानून के अनुसार, उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज सत्ता संभालेंगी। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई कि ऐसा हुआ है, हालांकि उन्होंने हमले के बाद एक बयान जारी किया। रॉड्रिग्ज ने कहा कि मादुरो, उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी ⏭शेष पेज 6 पर

अमेरिका ने कहा-मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाया गया

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर यूएस ने कसा कानूनी शिकंजा

अमेरिका ने तीसरी बार किसी राष्ट्रपति को पकड़ा

ये पहली बार नहीं है, जब अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति या तानाशाह को पकड़ा, इसके पहले 2003 में इराक और 1989 में पनामा में भी कुछ ऐसे ही ऑपरेशन चलाए गए थे। बताया जाता है कि अमेरिका ने लैटिन अमेरिकी देश पनामा पर हमला किया था। अमेरिका ने पनामा के तानाशाह मैनुअल नोरिएगा को सत्ता से हटाया था, जिन पर ड्रग तस्करी और अमेरीकी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था। 1992 में अमेरिकी अदालत ने नोरिएगा को 40 साल की सजा सुनाई। 2003 में अमेरिका ने इराक पर हमला किया। इसका मकसद इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाना था, जिन पर अमेरिका ने इराक के कई समुदायों पर हिंसा करने अल-कायदा का समर्थन करने और परमाणु हथियार रखने के आरोप लगाए थे।

ट्रंप ने कहा-मादुरो के खिलाफ बड़ा हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिका ने वेनेजुएला और उसके नेता राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ बड़ा हमला किया है। मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। ट्रंप ने कहा कि यह एक शानदार ऑपरेशन था। ट्रंप ने शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमलों को लेकर बहुत अच्छी योजना बनाई गई थी और इस वजह से ही राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किया जा सका।

वेनेजुएला ने मांगा 'प्रूफ ऑफ लाइफ'

वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा है कि अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने के बाद सरकार को नहीं पता कि वे कहां हैं। हमें इसकी जानकारी नहीं कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस कहां है। हम उनके जीवित होने का प्रमाण मांगते हैं।

क्यों टूट पड़ा अमेरिका

'तेल' ने दो देशों के बीच भड़काई 'आग'

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवाद वर्षों पुराना है। यह बीते कुछ साल में जबरदस्त रूप से उभरा है। जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर लगातार दबाव बना रहे थे। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव का एक बड़ा कारण तेल भी है। दोनों देशों के बीच यह विवाद कई दशकों से चला आ रहा है। साल 1976 में वेनेजुएला की सरकार ⏭शेष पेज 6 पर

वेनेजुएला की घेराबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में वह वेनेजुएला का तेल ले जा रहे टैंकरों को खुले तौर पर जब्त कर रहा है। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन ने बीते दिनों में वेनेजुएला की नौसैन्य घेरेबंदी भी कर दी।

कैरिबियाई सागर में तैनात अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन ने अक्तूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है।

सीएम ने राष्ट्रपति से की मुलाकात 'बस्तर पंडुम' में किया आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपराओं एवं लोक जीवन से अवगत कराते हुए कहा, बस्तर पंडुम राज्य की जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी में बस्तर में संपन्न होगा। उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2026 के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगीत, ⏭शेष पेज 6 पर

- भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नबीन को दी नए दायित्व की बधाई

कार्यकारी अध्यक्ष से की मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भेंट कर उन्हें नए दायित्व के लिए बधाई दी। प्रदेश प्रभारी के रूप में उनके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और सतत परिश्रम ने छत्तीसगढ़ को संगठनात्मक दृष्टि से नई ऊँचाइयाँ प्रदान की। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक विजय उनके प्रेरक नेतृत्व का साक्षात परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके ऊर्जावान नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी और राष्ट्र सेवा के पथ पर और अधिक सशक्त बनेगी। पुनः बधाई। हार्दिक शुभकामनाएँ।

125 साल बाद लौटी भारत की विरासत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ये केवल वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं।

- पीएम ने बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस समेत उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं, जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। उन्होंने कहा कि इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के माध्यम से ही नहीं, बल्कि भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के गहरे बंधनों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है। मोदी दक्षिण दिल्ली के किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में 'लाइट एंड लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस' नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार और गोदरेज समूह के हस्तक्षेप से ये पवित्र अवशेष 125 वर्षों से अधिक समय बाद भारत लाए गए हैं।

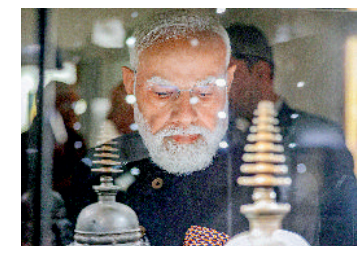

पीएम मोदी ने अपनी यात्राओं को किया याद

मोदी ने कहा कि नेपाल के लुम्बिनी, जापान के तो-जी मंदिर और किंकाकु-जी, चीन के शीआन में स्थित 'जायंट वाइल्ड गूज पैगोडा' तथा मंगोलिया के गांडन मठ की अपनी यात्राओं को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीलंका के अनुराधापुरा में स्थित जया श्री महाबोधि की उनकी यात्रा सम्राट अशोक, भिक्षु महिंदा और संघमित्रा द्वारा स्थापित परंपरा से जुड़ने का एक अनुभव था। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के वाट फो और सिंगापुर के बुद्ध टूथ रेलिक मंदिर की यात्राओं ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रभाव के बारे में उनकी समझ को और गहरा किया।

भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष

पिपरहवा अवशेष भगवान बुद्ध से जुड़ी हुई पवित्र और पुरातात्विक चीजें हैं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर खुदाई के दौरान मिले थे। मान्यता है कि इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियां (धातु अवशेष) और उनसे जुड़ी प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें उनके महापरिनिर्वाण के बाद अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था।

विश्वभर में बोधिवृक्ष

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बोधिवृक्ष के पौधे विश्व भर के बौद्ध तीर्थ स्थलों तक पहुंचाने का विशेष प्रयास किया। उन्होंने कहा, मानवता के लिए उस गहरे संदेश की कल्पना की जा सकती है जब परमाणु बम से तबाह हुए शहर हिरोशिमा के वनस्पति उद्यान में एक बोधि वृक्ष खड़ा होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि बौद्ध विरासत स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ियों तक पहुंचे।

चुनावी राज्यों में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी

प्रियंका को असम, टीएस को तमिलनाडु-पुडुचेरी का जिम्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केरल, असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों के लिए शनिवार को स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता सौंपी गई है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को तमिलनाडु और पुडुचेरी से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, असम से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी में प्रियंका गांधी के साथ सप्तगिरि उलाका, इमरान मसूद और श्रीवेला प्रसाद को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में केरल के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में सैयद नासिर हुसैन, नीरज डांगी और अभिषेक दत्त को शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को तमिलनाडु और पुडुचेरी से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। यशोमती ठाकुर, जी सी चंद्रशेखर और अनिल कुमार यादव को बतौर सदस्य शामिल किया गया है।

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया । भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉर्ट्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस शृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक तस्वीर

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं,

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्लूएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्लूएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्लूएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रूज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्लूएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्लूएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्लूएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम

डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी गति दी है।

होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रहमोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर नए साल के तीसरे दिन शुक्रवार देर रात 2 बजे अटैक कर वहां के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को अपने कब्जे में ले लिया है। वेनेजुएला में तैनात अतंर्राष्ट्रीय पत्रकारों को भी उम्मीद न थी कि अमेरिका का ये ऑपरेशन इतना बड़ा होगा। राजधानी कराकस में तैनात बीबीसी की पत्रकार वेनेसा सिल्वा इस ऑपरेशन की चश्मदीद हैं। उन्होंने आंखो देखा हाल बयान किया है।

'पैर कांपने लगे, मेरा दिल जोर से धड़क रहा था, मैं डर गई थी'

एजेंसी ▶▶| कराकस

सिल्वा ने बताया कि 'स्थानीय समय के अनुसार रात को 2 बज रहे थे। हमे पहली बार प्लेन की आवाज सुनी. तभी मैंने तेज धमाके की आवाज सुनी। कुछ ही मिनटों में धुएं का गुबार दिखाई दिया। ने बताया कि धमाके 'बिजली कड़कने से भी ज़्यादा तेज' थे, इससे उनका घर हिलने लगा।

राजधानी काराकास एक घाटी में स्थित है, इसलिए धमाकों की आवाज पूरे शहर में गूंजी।' मेरे आंखों के आगे कुछ नहीं दिख रहा था। कुछ ही देर में कई लोगों ने कराकस से रिपोर्टिंग शुरू कर दी। मैं प्लेन, हेलिकॉप्टर की आवाज सुन रही थी। हमें लगा कि राष्ट्रपति मादुरो एक बयान जारी करेंगे।' वेनेसा ने बताया कि धमाके इतने पास हुए थे कि वह डर गई थी, लेकिन ये अटैक बहुत सटीक लग रहे थे।' सिल्वा के एक रिश्तेदार ने आसमान से कुछ गिरते हुए देखा और दस सेकंड बाद एक ज़ोरदार धमाका सुना। 'मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था और पैर कांप रहे थे।' उन्होंने कहा कि ये हमले न सिर्फ कराकस में हुए बल्कि मिरांदा और अराउवा में भी हुए।

वेनेजुएला पर अमेरिकी अटैक की चश्मदीद पत्रकार ने बताया आंखो-देखा हाल

राजधानी कराकस के अलावा मिरांदा और अराउवा में भी किए गए सटीक हमले

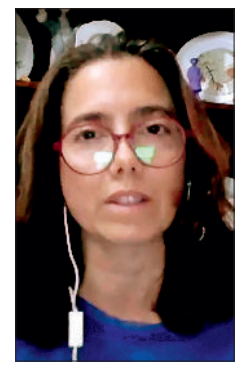

आधी रात को जागे लोग

वेनेजुएला से प्रकाशित होने वाले अंग्रेजी अखबार इल पाइस ने इस घटना को रिपोर्ट करते हुए कहा कि सुबह 2:00 बजे से कुछ देर पहले धमाकों की आवाज से कराकस के लोग जाग गए। ऐसा लगा जैसे आसमान में बिजली कड़क रही हो। ऊपर उड़ते हवाई जहाजों के वीडियो, धमाकों की चमक और धुएं के गुबार सोशल मीडिया पर घूमने लगे।

दूर से दिखीं आग की लपटें

शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि फुएर्टे ट्यूना के मिलिट्री बेस पर कई हवाई हमले हुए हैं। यह कराकस का मुख्य बेस है, जो वेनेजुएला की राजधानी के दक्षिण में स्थित है। और वहां पूरी तरह से बिजली चली गई है। धमाकों के पहले कुछ मिनटों में दूर से एक बड़ी आग की लपटें देखी गईं, जिसके बाद वो धुएं का एक बड़ा बादल छा गया।

सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा- कयामत की रात

ला कार्लोटा एयर बेस और कराकस में अन्य मिलिट्री ठिकानों, जैसे कुआर्टेल डे ला मोंटाना - जहां ह्यूगो शावेज़ के अवशेष रखे हैं - साथ ही माराके और ला गुएरा, और सेंट्रल कोस्ट पर हिगुएरोटे एयरपोर्ट पर भी हमलों की पुष्टि हुई है। सोशल मीडिया यूज़र्स द्वारा शेयर किए गए वीडियो में शहर के ऊपर हेलीकॉप्टर उड़ते हुए भी देखे गए हैं। स्थानीय लोगों के लिए ये कयामत की रात जैसा वाकया था।

भाजपा ने कहा- यदि हम मुंह खोलने पर आए तो मुश्किलें पैदा हो जाएंगी

'भाजपा हफ्ताखोरी करती है, लूट मचाई हुई है' अजित ने खोला सीधा मोर्चा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र में महानगरपालिका के चुनाव से पहले सत्ता में शामिल उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार में शामिल भाजपा पर वसूली के सीधा आरोप लगाए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ पवार ने एक कार्यक्रम में भाजपा पर भ्रष्टाचार करने और हफ्ता वसूली करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इधर, भाजपा ने भी अजित को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हम मुंह खोलने पर आए तो उनके लिए मुश्किलें पैदा हो जाएंगी।

पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका का मामला

अजित ने पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका में भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा' और 'स्थानीय नेताओं की राक्षसी भूख' का जिक्र किया। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका में जमकर पैसे लूटने और खुलेआम भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। पवार ने यह भी दावा किया कि बीजेपी हफ्ताखोरी में भी लिप्त है, और उनके पास इससे जुड़े सारे पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

राजनीतिक गलियारों में पवार के बयान ने मचाई हलचल

आरोप लगाने वाले आज मेरे साथ

इनता ही नहीं अजित ने अपने ऊपर लगे 70, 000करोड़ रुपये के कथित आरोपों को लेकर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने सवाल किया, 'मेरे ऊपर भी 70,000 करोड़ रुपये के आरोप लगे थे। जिन लोगों ने मेरे ऊपर वे आरोप लगाए थे, क्या वे सब आज मेरे साथ हैं या नहीं?' पवार ने इस स्थिति को राजनीति का 'दोहरा चरित्र' करार दिया, जोर देकर कहा कि सत्ता और स्वार्थ के लिए सिद्धांतों को लगातार बदला जा रहा है।

'अब मैं किसी से डरने वाला नहीं'

उन्होंने भाजपा की राजनीतिक नैतिकता पर सीधे सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अगर उन पर लगे आरोप सही थे, तो वही लोग अब उनके साथ क्यों खड़े हैं। अजित पवार ने कहा कि अब वो किसी से डरने वाले नहीं हैं और सच्चाई को सामने लाना जारी रखेंगे।

अजित के आरोपों पर भड़की भाजपा दी चेतावनी

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पलटवार करते हुए कहा है कि 'अजित का यह बयान चुनावी पृष्ठभूमि में आया है। उन्हें 'अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए।' चव्हाण ने आगे कहा , यदि हम (भाजपा) मुंह खोलने पर आए तो पवार के लिए बहुत सी मुश्किलें पैदा हो जाएंगी, इसका ध्यान पवार को रखना चाहिए। भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुळे नमीडिया से बातचीत में कहा, 'उन्हें नहीं पता कि पवार ने ऐसा क्यों कहा और उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए थे।

बिना वोट डाले महायुति की 64 सीटों पर जीत, चुनाव आयोग कराएगा जांच

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित 29 महानगर पालिकाओं के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि दो जनवरी थी। इसके बाद 15 जनवरी को मतदान होगा और इसके अगले दिन चुनाव परिणाम आएंगे। इन चुनावों में महायुति गठबंधन के 64 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की है। मतदान में अभी वक्त है और ऐसे में महायुति के एक साथ इतने उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने पर सवाल उठ रहे हैं। इसके बाद राज्य चुनाव आयोग ने इस मामले में कुछ सीटों पर जांच के आदेश दिए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों के नामों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। चुनाव आयोग जांच के जरिए पता लगाएगा कि आखिर क्या दबाव या लालच के काण कुछ उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस लिए थे।

10वीं और 12वीं के प्रैक्टिकल में 'निष्पक्षता' की होगी जांच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाओं, इंटरनल असेसमेंट और प्रोजेक्ट मूल्यांकन को लेकर सभी संबद्ध स्कूलों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता, समानता और निष्पक्षता बनाए रखना अनिवार्य है।

सीबीएसई ने दोहराया कि प्रैक्टिकल परीक्षाएं और इंटरनल असेसमेंट बोर्ड परीक्षा प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें निर्धारित सिलेबस, मार्किंग स्कीम और बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किया जाना चाहिए। नियमों से किसी भी तरह का विचलन पाए जाने पर स्कूलों के खिलाफ सीबीएसई एफिलिएशन बायलॉज के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर अंक देने के निर्देश

बोर्ड ने साफ शब्दों में कहा है कि प्रैक्टिकल और इंटरनल असेसमेंट में दिए गए अंक छात्रों के वास्तविक प्रदर्शन को दर्शाने चाहिए। अंकों में अनावश्यक बढ़ोतरी या की हेरफेर को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

स्कूल प्रमुखों की बढ़ी जिम्मेदारी

सीबीएसई ने स्कूल प्रमुखों को पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी शिक्षक और परीक्षक मूल्यांकन मानदंडों से पूरी तरह परिचित हों। साथ ही, प्रैक्टिकल परीक्षा, प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी जांच की जा सके।

फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं की थ्योरी परीक्षाएं 12 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। इस साल लगभग 45 लाख छात्र दोनों कक्षाओं के 204 विषयों की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं।

खबर संक्षेप

टीएमसी सांसद मौसम कांग्रेस में लौटीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद मौसमी नूर ने कांग्रेस में वापसी कर ली है। नई दिल्ली में शनिवार को उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली। मौसमी नूर का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है और माना जा रहा है कि वह मालदा से विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। 46 साल की मौसमी नूर पहले भी कांग्रेस की नेता रही हैं। वह 2009 से 2019 तक मालदा से दो बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। कांग्रेस मुख्यालय में जयराम रमेश, एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी जॉइन की, जहां नेताओं ने उनका स्वागत किया।

मिजोरम में 11.062 किलो ड्रग्स जब्त

सैतुअल। मिजोरम के सैतुअल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास असम राइफल्स ने 11.062 किलो मेथामफेटामिन टैबलेट जब्त की हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी अनुमानित कीमत 33.186 करोड़ रुपए है। असम राइफल्स को ड्रग तस्करी से जुड़े खुफिया इनपुट मिले थे। इसके आधार पर शुक्रवार को मिजोरम पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई सैतुअल जिले के कैफांग इलाके में की गई। इस दौरान संदिग्ध गतिविधि दिखी, जिसके बाद तलाशी ली गई।

7 पत्रकारों, यूट्यूबर और पूर्व सैन्य अफसरों को उम्रकैद

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने शुक्रवार को सात लोगों को साल 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इनमें पत्रकार, यूट्यूबर और पूर्व सैन्य अधिकारी शामिल हैं। ये सजाएं 9 मई 2023 को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद दर्ज मामलों से जुड़ी हैं, जब इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए थे। जिन लोगों को सजा सुनाई गई उनमें से ज्यादातर पाकिस्तान से बाहर हैं और कार्यवाही के दौरान पेश नहीं हुए। अभियोजन ने इन सभी पर

पाक में इमरान खान को समर्थन पड़ा भारी

देश की संस्थाओं के खिलाफ डिजिटल आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया है। कहा गया कि इन सभी ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान और बाद में हिंसा और अशांति भड़काने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया।

इन लोगों को मिली सजा

अदालत के फैसले के अनुसार, सजा पाने वालों में पूर्व सैन्य अधिकारी से यूट्यूबर बने आदिल राजा और सैयद अकबर हुसैन, पत्रकार वजाहत सईद खान, साबिर शाकिर और शाहीन सेहबाई, कमेंटेटर हैदर रजा मेहदी और विश्लेषक मोईद पीरजादा शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ इस्लामाबाद के रमना और आबपारा पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए थे।

उम्रकैद के साथ जुर्माना भी

कोर्ट ने उम्रकैद की सजा के साथ-साथ अतिरिक्त जेल की सजा और हर दोषी पर 5 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया और आदेश दिया कि जुर्माना नहीं भरा गया तो अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी।

ईरान में फंसे 3 हजार भारतीय छात्र, जरूरी कदम उठाए सरकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईरान में आर्थिक संकट के बीच लगातार फैल रहे हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के फॉरन स्टूडेंट विंग ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल देने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि इस समय करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र मध्य-पूर्व के इस देश में हैं, जहां कई शहरों में अशांति फैलती जा रही है। इस चिट्ठी में ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों और उनके परिवार वालों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की अपील की गई है।

पीएम मोदी से भी किया गया अनुरोध

इससे पहले शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दखल की मांग की थी, ताकि वहां रह रहे भारतीय

भारतीय मेडिकल एसोसिएशन ने लिखी जयशंकर को चिट्ठी

मेडिकल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, खासकर जो घाटी से हैं और ईरान में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने लिखी चिट्ठी

विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखी चिट्ठी में ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के जम्मू और कश्मीर यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा है कि वहां हालात तेजी से खराब होते जा रहे हैं। चिट्ठी के अनुसार, 'ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से मैं ईरान में वर्तमान स्थिति और वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा और हितों को लेकर बढ़ती हुई चिंता की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूं। क्षेत्र में बदलते हालात और वर्तमान अनिश्चितता को देखते हुए, पूरे देश में रह रहे भारतीय मेडिकल छात्र और उनका परिवार बहुत ज्यादा चिंता में हैं। इन छात्रों का नामांकन पूरे ईरान भर के अलग-अलग मेडिकल यूनिवर्सिटी में है। उनकी सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए।'

'बांग्लादेश लिंचिंग में घायल खोकन की चली गई जान

नई दिल्ली। भारत विरोधी कट्टरपंथी उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी चरमपंथियों की हिंसा के बीच हाल ही में गंभीर रूप से घायल हुए 50 वर्षीय हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार को मौत हो गई है।

उन्हें बीते 31 दिसंबर को शरीयतपुर इलाके के कुरबानगाह में अपने मेडिसिन और मोबाइल बैंकिंग के दैनिक कामकाज को खत्म करने के बाद घर लौटते वक्त रास्ते में बदमाशों के एक समूह द्वारा चाकू से किए गए भयंकर हमले और उसके बाद पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की गई थी। जिसके बाद ढाका के एक निजी अस्पताल में करीब ढाई दिन तक चले इलाज के बाद 3 जनवरी को उनकी मौत हो गई है। गौरतलब है कि हादी की मौत के मामले के बाद पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा में काफी वृद्धि देखने को मिली है। जिसके चलते अब तक तीन हिंदू मारे गए हैं।

बांग्लादेश में जारी समूचे घटनाक्रम पर है भारत की पूरी नजर

एक और हिंदू पर हमला, भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जारी अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। भीड़ ने चोरी के शक में एक भिखारी को खंभे से बांधकर पीट दिया। पीड़ित की पहचान सुमन के रूप में हुई है, जिसकी हालत गंभीर है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि शुक्रवार को गाजीपुर के टोंगी में भीड़ ने सुमन को चोरी के शक में पीटा. फिर उसे एक खंभे से बांध दिया। इसके बाद भी लोगों ने उसकी पिटाई की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

हिमाचल में छात्रा मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर सस्पेंड

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला कॉलेज की पूर्व छात्रा पल्लवी की रैगिंग के बाद मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर अशोक कुमार को सरकार ने सस्पेंड कर दिया है।

राजस्थान : स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान सरकार ने छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने, शब्दावली बढ़ाने और सामान्य ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से एक अहम फैसला लिया है। राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में अब दैनिक समाचार पत्र पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने भी हाल ही में सरकारी स्कूलों में अख़बार पढ़ना अनिवार्य किया है। उसके एक सप्ताह बाद राजस्थान सरकार का यह निर्णय सामने आया है।

आदेश के अनुसार, सभी सरकारी स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान कम से कम 10 मिनट अख़बार पढ़ने के लिए निर्धारित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य छात्रों को कम उम्र से ही समसामयिक घटनाओं, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समाचारों और खेल जगत की जानकारी से जोड़ना है। राज्य सरकार के निर्देश के

मुताबिक, सरकारी सीनियर सेकेंडरी और अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों को कम से कम एक हिंदी और एक अंग्रेज़ी अखबार की सदस्यता लेनी होगी। वहीं सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम दो हिंदी अखबार उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। अखबारों की सदस्यता पर होने वाला पूरा खर्च राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर द्वारा वहन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone :6232033095 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल सम्पति)

जबकि वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(12), 13(2) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित उधार लेने वालों का उल्लिखित राशि ब्याज सहित नोटिस पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहा गया था । इन उल्लिखित ऋणियों द्वारा राशि भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं और आमजनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13(4) के तहत उक्त पठित नियम हस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्तानुसार वर्णित सम्पत्ति का आधिपत्य की तिथि को अपने कब्जे **(Symbolic)** में ले लिया है । ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के बाबत किये गये कोई भी व्यवहार पर **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त राशि एवं उस पर ब्याज के अधीन भार **(CHARGE)** देय होगा ।

क्र.	ऋणी/ जमानतदार का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना जारी तिथि एवं राशि (रू. में)	आधिपत्य की तिथि
01	ऋणी- श्री भानु प्रसाद मुखर्जी पिता विनय कृष्ण मुखर्जी	**श्री भानु प्रसाद मुखर्जी पिता विनय कृष्ण मुखर्जी** के प्लॉट नं/खसरा नं.- 273/1, केदारपुर, अंबिकापुर, अंबिकापुर, नजूल शीट नं. 02, आरएनएम- अंबिकापुर नजुल, तहसील- अंबिकापुर, जिला- सरगुजा, छत्तीसगढ़-497001, क्षेत्रफल- **0.13(1/2)** एकड़ में स्थित भूमि एवं भवन के समस्त भाग तथा अंश । **चौहद्दी नजरी माप के अनुसारः उत्तर की ओर-** कमला देवी की भूमि, **दक्षिण की ओर-** गिरधारी का मकान एवं सड़क, **पूर्व की ओर-** शिवपाल सिंह की भूमि, **पश्चिम की ओर-** डॉ. वैश्य, गिरधारी, विजन एवं विमलेश की भूमि ।	28/10/2025 ₹ 13,57,862/- + ब्याज + अन्य व्यय	02/01/2026

आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत 30 दिनों का विक्रय हेतु अनिवार्य सूचना

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख से 30 दिनों के अंदर वे सम्पूर्ण ऋण राशि, ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित सम्पत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्च सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी ।

स्थान- अंबिकापुर (छ.ग.)
दिनांक- 03.01.2026
मुख्य प्रबंधक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
शाखाः फुंदुरडिहारी (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-295-25-26 दिनांकः 30/12/2025

कार्यः बिलासपुर के बीसीएन एग्जामिनेशन यार्ड में पोर्टल माउंटेड लाइट, अंडर गियर एग्जामिनेशन लाइट और वेल्डिंग सुविधाओं की व्यवस्था करके सामान्य रोशनी बढ़ाने के संबंध में ओएचई का प्रावधान/संशोधन ।
निविदा मूल्यः रू. 2,14,03,127.64/-, बयाना राशिः रू. 2,57,000.00/-, निविदा जमा करने की तिथि व समयः दिनांक **27/01/2026** के **15:00** बजे तक ।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पधारें । निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं ।

व.मं.विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/582 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

विवाह सूचना का प्रकाशन

क्रमांक क/ /वाचक/अति-कले/2025, बिलासपुर, दिनांक 09.12.2025

श्री अमन नामदेव आत्मज श्री राजेश नामदेव उम्र 29 वर्ष निवासी सुभाष नगर गोंड़पारा दर्जी मंदिर के पास बिलासपुर थाना सिटी कोतवाली बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. एवं कुमारी नीलम आत्मजा श्री मुनेश्वर उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम सोहगा वा.क्र. 18 पो. करजी थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ.ग.

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनांक 19.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

अमन नामदेव

नीलम

विवाह अधिकारी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर, शाखाः बिलासपुर (छ.ग.)
बिलासपुर शाखा- ग्राउंड फ्लोर, मिश्रा टावर, यश सुपर मार्केट के सामने, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.), ई-मेलः bmbsp@laxmimahilabank.com, फोनः 07752-407059, मुख्य शाखा रायपुर (छ.ग.)

कब्जा-सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम-2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम-2002 की धारा 13(4) एवं 13(12) सहपठित नियम- 8 के अंतर्गत लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, बिलासपुर शाखा के प्राधिकृत अधिकारी यह सूचित करता है, कि निम्न वर्णित खाताधारक /खाताधारकों/ जमानतदार/ जमानतदारों को बैंक ने मांग की सूचना पत्र प्रेषित कर उनके विरुद्ध लिखी गई सकल ऋण राशि का भुगतान नोटिस की तिथि से 60 दिन के भीतर करने का आग्रह किया था। किन्तु संबंधित खाताधारक/खाताधारकों/जमानतदार एवं जमानतदारों द्वारा उक्त ऋण राशि की अदायगी नहीं की गई।

फलस्वरुप (S.A.R.F.A.E.S.I. ACT - 2002) के अंतर्गत उपरोक्त वर्णित धारा एवं नियम में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्न कर्जदारों के द्वारा बंधक रखी गई निम्न संपत्ति, को अपने कब्जे में ले लिया है। अतः विशेषकर ऋणी/ ऋणियों एवं जमानतदार/ जमानतदारों एवं सामान्य आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध लिखी गई संपत्ति/संपत्तियां बैंक के अधीन (Charge) में है। जिसके उपर कोई भी लेन-देन के संव्यवहार न करें। बैंक के जानकारी के बगैर लेन-देन करने के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं होगा तथा वह अवैध व शून्य मान्य होगी।

ऋणी का नाम	संपत्ति स्वामी का नाम/संपत्ति का विवरण	मांग सूचना पत्र जारी दिनांक को बकाया सकल ऋण राशि	भौतिक आधिपत्य प्राप्त की तिथि और शेष राशि
श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पिता श्री उमाशंकर चतुर्वेदी, श्री ऐश्वर्य चतुर्वेदी पिता श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी एवं श्रीमति श्रावणी सेनगुप्ता पति श्री ऐश्वर्य चतुर्वेदी	श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पिता श्री उमाशंकर चतुर्वेदी के स्वामित्व की संपत्ति (बैंक में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर बैंक में ऋण के विरुद्ध बंधक रखी गई संपत्ति को श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पिता श्री उमाशंकर चतुर्वेदी को दिनांक 14.11.2011 को शासन के द्वारा दिनांक 31.03.2024 तक की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया था। उपरान्त रा.प्र.क्र: 26/अ-6/92-93 आदेश दिनांक 20.04.1993 के द्वारा श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पिता श्री उमाशंकर चतुर्वेदी का नाम भाटक के रुप में नजूल दस्तावेज़ में दर्ज हो चुका है। बंधक सम्पत्ति पताः 8/195, वार्ड क्र: 08, तिवारी चाल, श्री हरि मॉडल स्कूल के सामने, राजेंद्र नगर, बिलासपुर (छ.ग.) की है। जिसका विवरण मौजा : जूना बिलासपुर, प.ह.न.: 36, शीट नंबरः 02, भूखंड क्रः 51/2, खसरा क्रः 89/26, क्षेत्रफलः 1540 वर्गफुट, विकासखंड : बिल्हा, रा.नि.म. तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) नगर पालिका निगम परिक्षेत्र के भीतर जूना बिलासपुर में नजूल भूमि स्थित निर्मित मकान, राजेंद्र नगर वार्ड में स्थित है। जिसके तत्कालीन **चौहद्दी** के अनुसार उत्तर में महेंद्र कुमार सिंह का मकान, दक्षिण में रोड, पूर्व में रोड तथा पश्चिम में नाला है।	श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पिता श्री उमाशंकर चतुर्वेदी ऋण खाता क्र. 000450042020032 दिनाँक 08.07.2025 बकाया ऋण राशि रु. 58,28,758/- (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त) दिनांक 01.01.2026 बकाया ऋण राशि रु. 61,66,320/- (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त)	

रायपुर, छ.ग., दिनांक- 04.01.2026 प्राधिकृत अधिकारी, लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर, बिलासपुर शाखा

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

{ कवर स्टोरी }
संध्या सिंह

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

{ साइंस-टेक 2026 }
संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत

होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन

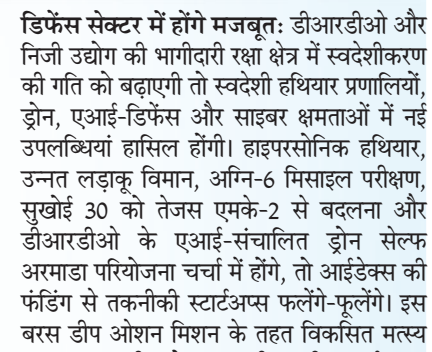

लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

{ दोहे }
गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहे सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

{ लघुकथाएं }

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

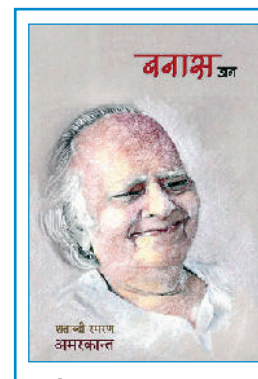

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत),
संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

ट्रांसपोर्ट में मिली नकली दवा का वारिस नहीं खोज पाई जांच की टीम, इंदौर जाने नहीं निकला मुहूर्त

नकली दवा के कारोबार का बड़ा लिंक मिलने का दावा करने वाले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम की जांच ठंडी पड़ने लगी है। ट्रांसपोर्ट में लावारिस मिली एंटीबायोटिक की नकली दवाओं के वारिस का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया। मामले में इंदौर जाकर दवा सप्लाई का लिंक तलाशने जांच टीम मुहूर्त नहीं निकाल पाई है। दवा मिलने के बाद सारंगढ़ और भाटापारा के कारोबारियों से छापेमारी के बाद मामला शांत होता नजर आ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गोगांव के गोल्डन नागपुर ट्रांसपोर्ट से करीब पौने दो लाख रुपये की नकली एंटीबायोटिक दवा बरामद की थी। इस मामले का खुलासा होने पर विभागीय टीम ने सारंगढ़ और फिर भाटापारा जाकर कुछ दवा कारोबारियों के ठिकाने में जांच की और इनके नकली दवा के कारोबार में लिप्त होने का संदेह जताया था।

इस दौरान यह भी दावा किया गया था कि एंटीबायोटिक दवा नकली दवा के कारोबार का भंडाफोड़ करने का कारण बन सकता है। मामले को 17 दिन बीतने के बाद भी जांच टीम यह तय नहीं कर पाई है कि बरामद की गई नकली दवा का आर्डर किसने दिया था। दवा की सप्लाई इंदौर से हुई थी इसलिए खरीदार का पता वहां से चलने का अनुमान था। विभागीय टीम दस दिन से इंदौर जाने की तैयारी कर रही है, मगर बात आगे नहीं बढ़ पाई है। दवा पकड़ाने के बाद एफडीए की टीम ने सारंगढ़ और भाटापारा के दो कारोबारियों के दवा कारोबार में लिप्त होने का संदेह तो जताया था जिस पर अब तक उनके खिलाफ किसी तरह का पुष्ट सबूत नहीं मिल पाया है।

खास बातें

- लावारिस मिली थी एंटीबायोटिक की नकली गोलियां, कुछ छापेमारी के बाद चुप्पी
- सारंगढ़, भाटापारा से लिंक होने का संदेह होने पर पुष्टि नहीं कर पाई एफडीए की टीम

चेन्नई और हिमाचल से लिंक

बरामद हुई नकली दवा के रैपर में जिन उत्पादक कंपनी का जिक्र है, वह चेन्नई और हिमाचल से संबंधित है। इसमें चेन्नई की कंपनी के वर्तमान में सक्रिय नहीं होने की जानकारी सामने आई है। वहीं हिमाचल की जिन दो कंपनियों का जिक्र है, उसका पता भी सही नहीं होने के बातें सामने आ रही हैं। हालांकि जांच टीम के अधिकारी इसे इन्वेस्टीगेशन का हिस्सा बता रहे हैं। उनका तर्क है कि टीम तीन-चार दिनों के भीतर इंदौर जाकर ट्रांसपोर्ट में दवा बुक कराने वाले के बारे में सुराग लगाएगी।

लौटना पड़ा था खाली हाथ

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने दो साल पहले आयुर्वेद की वाताहरी वटी को मिलावटी होने के संदेह में पकड़ा था। इस मामले में राजधानी के अलावा तिल्दा के एक व्यापारी के ठिकाने से लाखों रुपये की एलोपैथी दवा की मदद से तैयार की गई आयुर्वेद की गोलियां बरामद की गई थीं। मामले का लिंक इंदौर से जुड़ा था और जब विभागीय टीम उसका पता लगाने पहुंची, तब तक संबंधित संस्थान का वहां से सफाया हो चुका था। इस मामले में देर जांच के प्रभावित होने का कारण हो सकता है।

पॉवर कंपनी ने आयोग को 63 सौ करोड़ का पुराना घाटा बताते हुए नया टैरिफ तय करने की रखी ही मांग

अभी साढ़े सात सौ करोड़ का फायदा, पुराना घाटा सात हजार करोड़ का, महंगी हो सकती है बिजली

नए सत्र 2026-27 के लिए बिजली का नया टैरिफ तय करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने जो याचिका लगाई है, उसमें नए सत्र में कंपनी को साढ़े सात सौ करोड़ का फायदा हो रहा है, लेकिन इसी के साथ पुराना घाटा ही सात हजार करोड़ से ज्यादा का होने के कारण 63 सौ करोड़ के राजस्व की कमी बताई गई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस कमी को पूरा करने के लिए ही बिजली का नया टैरिफ तय करने की मांग की गई है। ऐसे में तय है कि इस बार भी बिजली महंगी होगी। संभावना यह है कि इस बार पिछली बार से बिजली ज्यादा महंगी हो सकती है, लेकिन इसका फैसला तो नियामक आयोग करेगा। पिछली बार पॉवर कंपनी ने पांच हजार करोड़ का घाटा बताया था, इसको आयोग ने पांच सौ करोड़ माना था। इस बार आयोग जितना घाटा मानेगा उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा। टैरिफ तय करने से पहले जनसुनवाई भी होगी।

पॉवर कंपनी ने नए सत्र 2026-27 के लिए पूरा लेखा-जोखा बनाकर नियामक आयोग में नए टैरिफ के लिए याचिका दायर कर दी है।इस याचिका में बताया गया है कि प्रचलित दर से 26216 करोड़ का राजस्व मिलने की संभावना है। इसी के साथ साल भर का खर्च 25460 करोड़ बताया गया है।

ऐसे में 756 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन इसी के साथ पिछले सत्रों की अंतर की राशि का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि नए सत्र के फायदे को पुराने अंतर की राशि में कम करने के बाद भी 63 सौ करोड़ के राजस्व की और जरूरत होगी।

इस साल भी लगेगा महंगी बिजली का झटका, छह हजार करोड़ के घाटे की याचिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए सत्र 2026-27 के लिए बिजली का नया टैरिफ तय करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने जो याचिका लगाई है, उसमें छह हजार करोड़ का घाटा बताया गया है। ऐसे में यह तय है कि इस साल भी महंगी बिजली का झटका लगेगा। अब यह झटका कितना बड़ा होगा, इसका फैसला तो नियामक आयोग करेगा। पिछली बार पॉवर कंपनी ने पांच हजार करोड़ का घाटा बताया था, इसको आयोग ने पांच सौ करोड़ माना था। इस बार आयोग जितना घाटा मानेगा, उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा। टैरिफ तय करने से पहले जनसुनवाई भी होगी।

- जनसुनवाई के बाद बिजली नियामक आयोग तय करेगा नया टैरिफ

नियमों के मुताबिक पॉवर कंपनी

ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई

नए सत्र में 26 सौ करोड़ का राजस्व मिलेगा, पुराना घाटा 63 सौ करोड़ है, ऐसे में नए सत्र के लिए कुल 32 हजार पांच सौ करोड़ से ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई गई है। इस जरूरत के हिसाब से ही नया टैरिफ तय करने की मांग रखी गई है। पॉवर कंपनी ने अपनी तरफ से टैरिफ में इजाफा करने कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, क्योंकि इसका फैसला आयोग ही करता है।

आयोग करेगा अब समीक्षा

बिजली नियामक आयोग को जो याचिका मिली है, उसकी पहले आयोग पूरी समीक्षा करेगा। इसमें आयोग देखेगा कि वास्तव में कंपनी को कितने राजस्व की जरूरत है। उसका वास्तव में खर्च कितना होगा। इसी के साथ कंपनी ने नए सत्र में जितनी बिजली बिकने की संभावना जताई है, उससे कितनी ज्यादा बिजली बिकेगी और इससे कितना राजस्व मिलेगा। सबसे अहम बात यह है कि कंपनी ने जो अंतर की 63 सौ करोड़ की राशि का उल्लेख किया है, आयोग उस अंतर की राशि में नए सत्र में उसको कितनी राशि लेने की मंजूरी देता है। इसी तय राशि के हिसाब से ही नया टैरिफ तय होगा। चल रहे सत्र में कंपनी के अनुमानित 4947.41 करोड़ रुपए राजस्व घाटे के स्थान पर आयोग ने 523.43 करोड़ रुपए मान्य किया था। पॉवर कंपनी के घाटे को पूरा माना जाता तो दरें 20 फीसदी तक बढ़ानी पड़ती लेकिन आयोग के घाटा पांच सौ करोड़ माना था इसलिए दरें दो फीसदी से भी कम बढ़ाई गई थी। अब इस बार आयोग पॉवर कंपनी का कितना घाटा मानता है, उसके हिसाब से ही नया टैरिफ तय होगा।

महिला आरक्षक के साथ हुई बदसलूकी और जानलेवा हमले के तीन और आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

बीते 27 दिसंबर को तमनार बलवा कांड के वक्त एक महिला आरक्षक के साथ हुई बदसलूकी और जानलेवा हमले के तीन और आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दो आरोपियों को तमनार पुलिस ने पकड़ लिया था। इस मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पूरे घटनाक्रम में 10 आरोपियों शामिल होने की बात कही जा रही है। हालांकि सभी की पहचान हो चुकी है, लेकिन अभी फरार हैं।

तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत सीएचपी चौक, लिब्रा में धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सख्त रुख अपनाया लिया है। महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, बदसलूकी, अमानवीय, निंदनीय व्यवहार, कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार एवं लूट की गंभीर घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार आरोपियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार गहन पतासाजी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में मंगल राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, चिनेश खमारी, निवासी ग्राम आमगांव, प्रेमसिंह राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, कीर्ति श्रीवास, निवासी ग्राम आमगांव तथा वनमाली राठिया, निवासी ग्राम झरना शामिल हैं।

होगी कार्रवाई

महिला पुलिस पर आरोपियों द्वारा की गई अमर्यादित एवं आपत्तिजनक घटना से जुड़ी एक-एक पहलुओं की पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। घटना में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग पटेल, एसपी, रायगढ़

इन धाराओं के तहत आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त गंभीर घटनाक्रम के संबंध में थाना तमनार में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 109, 74, 76, 296, 351(2), 115 (2), 221, 132, 309(4), 309(6), 3(5) भा.न्या.सं. तथा आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गारे–पेलमा सेक्टर-1 कोयला खदान प्रारंभ किए जाने के संबंध में 08 दिसंबर 2025 को धौराभांठा बाजार मैदान में जनसुनवाई आयोजित की गई थी। इस जनसुनवाई के विरोध में खदान क्षेत्र से प्रभावित 14 ग्रामों के ग्रामीणों द्वारा 12 दिसंबर 2025 से सीएचपी चौक, लिब्रा में आर्थिक नाकेबंदी के उद्देश्य से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था, जिससे आवागमन बाधित हो गया था।

यातायात नियमों की जानकारी देने निकला पीके

रायपुर। सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर एक माह के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दूसरे दिन एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा चौक-चौराहों पर यातायात नियमों का पालन कराने अपील के लिए पीके प्रतिरूप में नई पहल की गई। मोर पिरोहिल नाट्य संस्था के कलाकार को पीके फिल्म के नायक के स्वरूप में वेशभूषा व हेलमेट लगाकर शहर के चौक-चौराहों पर यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक करने के लिए शास्त्री चौक से शुरुआत की।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष — रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह — लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु — किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ

कुंभ — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान बढ़ेगा।

हाईब्रीड कथित राजकीय पशु पर करोड़ों खर्च कर सौ किलोमीटर दूर भगाया

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

दो दशक से ज्यादा समय तक वन विभाग ने जिन मुर्रा वनभैंसों को राजकीय पशु बताकर करोड़ों रुपए खर्च किया, उन कथित वनभैंसों के वाइल्ड बफेलो के क्रास ब्रीड होने की पुष्टि हुई। उन भैंसों को दो साल बाद उदंती से सौ किलोमीटर दूर खदेड़ दिया गया है। उन कथित वनभैंसों का जब तक डीएनए मिलान नहीं किया गया, विभागीय अफसर उन भैंसों को बाड़े में रख कर हर वर्ष लाखों रुपए खर्च करते रहे।

वन्य जीव प्रेमी नितिन सिंघवी ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग करते हुए पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण पाण्डेय को पत्र लिखा है। वन्यजीव प्रेमी के अनुसार 2007 में एक ग्रामीण से उसका पालतू भैंस को वन विभाग के अफसर जबरदस्ती वाइल्ड बफेलो ले कर आए, जिसका नाम आशा रखा गया। उसी आशा ने राजा, प्रिंस, मोहन, वीरा, सोमू, खुशी और हीरा को जन्म दिया। इसके बाद वन विभाग के अफसरों ने 27 हजार रुपए में ग्रामीणों से रंभा और मेनका नाम की दो वाइल्ड बफेलो से क्रास भैंस खरीदी। रंभा और मेनका ने मालती और भानुमति को जन्म दिया। चारों ने पार्वती, विष्णु, दुर्गा, किरण, कान्हा, प्रह्लाद, रवि, सोमवती, जानकी, उर्वशी और सूर्या (15 से ज्यादा) को जन्म दिया।

जिन हाई ब्रीड भैंस को वन अफसर वाइल्ड बफेलो बता रहे थे, उन कथित राजकीय पशु से विभागीय अधिकारियों ने असम से लाए गए वाइल्ड बफेलो के साथ मेटिंग कराने सीजेडए से अनुमति मांगी। तब सीजेडए ने इन वन भैसों को हाईब्रीड बता कर, असम के प्योर ब्रीड वन भैंसों के साथ प्रजनन के लिए स्वीकृति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद अचानक वन विभाग को समझ में आया और उसे भारत के संविधान की याद आई। अनुच्छेद 48(ए) और 51(ए)(जी) के प्रावधानों का हवाला देते हुए, उप निदेशक यूएसटीआर ने सभी हाईब्रीड वन भैंसों को छोड़ने का प्रस्ताव रखा। बाद में अक्टूबर 2023 में इन्हें बाड़े से भगा दिया गया। बताया गया कि भैंस बाड़ा तोड़कर भाग गए।

वाइल्ड बफेलो के 17 क्रास ब्रीड मुर्रा भैंसा को ओडिशा छोड़े जाने की बात सामने आ रही

इसलिए भगाया गए हाईब्रीड एनिमल

हाईब्रीड वनभैसों को बाड़े से भगा दिया गया। इसके बाद सभी भैंस किसानों के फसल को नुकसान पहुंचाने लगे। नाराज किसान फसल मुआवजा देने मांग करने लगे। विभागीय अफसरों ने नियमों का हवाला देकर मुआवजा देने से इनकार कर दिया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उन भैंसों को पुराना बोमा (बाड़ा) में हकाल कर बंद कर दिया। इसके बाद विभागीय अफसर फसल के समय भैसों को बाड़ा में रखते थे। फसल कटाई होने के बाद भैसों को पुनः खुले में छोड़ देते थे।

मुंबई महा नगर पालिका चुनाव के लिए प्रदेश के दो महापौर और पूर्व सभापति को भी जिम्मा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के छत्तीसगढ़ ने भाजपा नेताओं का उपयोग दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनावों में तो करता ही है, अब मुंबई महा नगर पालिका के चुनाव में प्रदेश के दो महापौरों जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय तथा धमतरी के महापौर रामू रोहरा के साथ ही रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति और नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव को जिम्मा दिया गया है। ये मुंबई में पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा, पूरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल है। मुंबई के लोग भी स्थानीय निकाय के चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के मूड में है। मुंबई महा नगर पालिका का चुनाव अभी निर्धारित समय से तीन वर्षों के बाद होने जा रहा है। यह चुनाव वर्ष 2022 में होना था, लेकिन तब यह टल गया और अब इसका चुनाव कराया जा रहा है। मुंबई महा नगर पालिका का चुनाव काफी विस्तृत होता है और इसके अंतर्गत 6 जिले आते हैं, जिसमें 227 वार्ड शामिल है।

भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में शिवसेना शिंदे के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है। इसमें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से तीन-तीन तथा उत्तरप्रदेश और गुजरात से एक-एक सदस्य कुल आठ सदस्यों की टीम पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंची हैं। चुनाव के लिए 15 जनवरी को मतदान होगा। संजय श्रीवास्तव ने बताया, छत्तीसगढ़ से मुंबई पहुंचे सदस्यों को विभिन्न वार्डों में चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा यहां विभिन्न राज्यों से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए भेजा गया है।

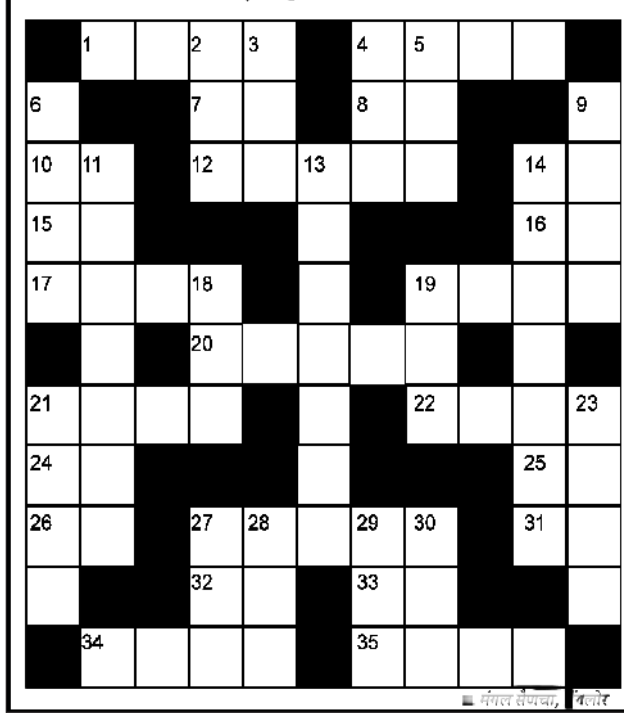

शब्द पहेली - 6098

बाएँ से दाए-
1.एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4.दान देने वाला-4
7.सवारी गाड़ी-2
8.संख्या,रत्न-2
10.जाप,मंत्र पाठ-2
12.आक्रमणकारी-5
14.अपशिष्ट पदार्थ-2
15.दिन,प्रहार-2
16.भीगा हुआ-2
17.शिशु,पैदा हुआ बच्चा-4
19.कीमती-4
20.आलसी,निष्ठाहीन-5
21.जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22.गारंटी,मुचलका-4
24.रिश्तेदार-2
25.शेर,नाहर-2
26.पिटाई,चोट-2
27.निम्नता,न्यूनता-5
31.परिणाम,निष्कर्ष-2
32.महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33.मूल,कंद-2
35. पितृपक्ष-2

ऊपर से नीचे
2.सवेरा,भोर-3
3.सांभर जैसा आहार -3
4.दैत्य,असुर-3
5.शहर-3
6.तरुण,जवान-4
9.एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11.ईश्वर,रब-7
13.डांट,फटकार, भर्त्सना -3,4
14.भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18.अधीन-3
19.निवेदन,प्रार्थना-3
21.असमतल-4
23.धमाका, सनसनी-4
27.करिश्मा-3
28.बारीक-3
29.कपड़े धोनेवाला-3
30.पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6097 का हल

सूडोकू नवताल - 6108

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6107 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रथम पृष्ठ का शेष

नक्सल उन्मूलन में...

में 3 दिसंबर को बीजापुर जिले के गंगालूर में पीएलजीए कंपनी नंबर 2 कमांडर मोदियामी वेल्ला समेत 18 नक्सली को ढेर किया गया था। वहीं 11 नवंबर को बीजापुर जिले में 6 नक्सली ढेर, 21 मई को शीर्ष नक्सली नेता बसवराजू समेत 28 नक्सली मारे गए थे। 15 मई को बीजापुर के करेगुट्टा पहाड़ पर 31 नक्सली ढेर, 29 मार्च को सुकमा में 17 नक्सलियों के शव बरामद किया गया था, 20 मार्च को बीजापुर और कांकेर में हुए दो नक्सल एनकाउंटर में 30 नक्सली ढेर, 9 फरवरी को बीजापुर जिले में 31 माओवादियों मारे गए, 16 जनवरी को बीजापुर जिले में भीषण मुठभेड़ में 18 माओवादी ढेर हुए थे।

गृहमंत्री अमित...

है कि नक्सलवाद को समाप्त करने की डेडलाइन तय होने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लगातार छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। वे यहां पर नक्सलवाद को लेकर रणनीति बनाने का काम करते हैं। केंद्र सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए बहुत ज्यादा गंभीर है। इसका नतीजा भी दिख रहा है। जहां लगातार नक्सली मारे जा रहे हैं, वहीं नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी पहली बार डीजी-आईजी कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। इसमें यहां पर तीन दिनों तक जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चार दिनों तक रहे थे। इस कांफ्रेंस के समाप्त होने 12 दिनों बाद ही अमित शाह बस्तर ओलंपिक के समापन में आए थे। अब एक बार वे फिर से इसी माह आने वाले हैं।

पांच माह से...

कहा कि सरकार ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई की। न्यायालय का बहुत बहुत धन्यवाद। भूपेश बघेल ने कहा साबित हो गया है कि केंद्र और राज्य सरकार की जांच एजेंसियों का राजनीतिक उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया है। हम पहले से कह रहे हैं कि उनके बेटे की गिरफ्तारी एक साजिश के तहत की गई थी। आज उसे जमानत मिल गई है। श्री बघेल ने गाड़ी के ऊपर चढ़कर समर्थकों को शुक्रिया कहा। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के साथ अपने बेटे को कार में बैठाकर स्वयं कार ड्राइव करते हुए लेकर गए। इस दौरा सेंट्रल जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। चैतन्य का काफिला जैसे ही सेंट्रल जेल से बाहर आया सड़कों पर जाम के हालात बन गए। भिलाई में भी चैतन्य का जोरदार स्वागत किया गया।

कवासी लखमा...

पोस्टर नहीं लगा? कांग्रेस में परिवारवाद को लॉन्च कर बढ़ाया जाता है। कांग्रेस की विचारधारा ही परिवारवाद है। राम विचार नेताम ने कहा, गिरफ्तारी तथ्यों और बयानों के आधार पर होती है।

हिड़मा के उत्तराधिकारी...

स्टेट के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को सरकारी पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा। डीजीपी ने सभी को तत्काल सहायता के रूप में 25-25 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि देते हुए कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नेताओं पर घोषित इनाम की राशि भी नियमों के अनुसार उन्हें प्रदान की जाएगी। बारसे देवा के समर्पण से छग समेत पड़ोसी राज्यों की पुलिस ने भी राहत की सांस ली है। हिड़मा के बाद देवा ही वह चेहरा था जो सुरक्षा बलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ था। बारसे देवा कई वर्षों से नक्सली संगठन के सैन्य ढांचे का हिस्सा रहा है और उसे संगठन की एक महत्वपूर्ण बटालियन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह वही ढांचा है जो सुरक्षा बलों के खिलाफ कई बड़े ऑपरेशनों में शामिल रहा है। बताया जाता है कि देवा को इलाके की भौगोलिक स्थिति, जंगल मार्गों और रणनीतिक ठिकानों की गहरी जानकारी थी। इसी वजह से वह लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से बाहर रहा। समर्पित नक्सलियों पर एक करोड़ 81 लाख 99 **हजार का था इनाम**-समर्पण करने वाले नक्सलियों पर 1.81 करोड़ से अधिक का इनाम घोषित था। इनमें बारसे देवा के अलावा अवलम सोमा, कुंजाम पोदिया उर्फ श्रीकांत, कोवासी पाइकू उर्फ कृष्णा, मड़कम लक्के, करटम जोगा, माड़वी अंदू उर्फ पवन, मड़कम भीमे उर्फ गीता, कुंजाम छोटू, मड़कम आयतु उर्फ चलपति, कंकनाला राजी रेड्डी उर्फ वेंकटेश, अदलुरी ईश्वरी उर्फ रामको, दारा सरैया, कुंजाम भीमा उर्फ रवि, सुशीला, वेमुला राजू उर्फ आकाश उर्फ महेंदर, पोडियम चैती, पुनेम भीमा उर्फ अनिल, पुत्र लक्मा, मड़कम नंदैया उर्फ जीतू तथा पुलसम मंगू शामिल है।

एटीआर के कोर...

पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

आधी रात अटैक,...

नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम उनके जीवित होने का सबूत चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, मदुरो और उनकी पत्नी को पकड़ कर देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। विस्तृत जानकारी जल्द दी जाएगी। उन्होंने बाद में शनिवार सुबह एक संवाददाता सम्मेलन करना निर्धारित किया। अमेरिका के कानून के तहत इस हमले के कानूनी निहितार्थ तुरंत स्पष्ट नहीं हैं। सीनेट सदस्य माइक ली ने 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बातचीत की, जिन्होंने उन्हें हमले के बारे में जानकारी दी। रूबियो ने ली को बताया कि मादुरो को अमेरिका में आपराधिक आरोपों के तहत मुकदमे का सामना करने के लिए अमेरिकी कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने काराकस में विस्फोटों से पहले 'जारी सैन्य गतिविधि' के चलते वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर कई महीनों से दबाव बढ़ाया था।

'तेल' ने दो देशों...

ने अपने पूरे तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इसका सीधा मतलब यह था कि विदेशी तेल कंपनियों-चाहे वे अमेरिकी ही क्यों न हों-जैसे एक्सॉन, गल्फ ऑयल और मोबिल, के सभी ऑपरेशन वेनेजुएला की सरकारी कंपनी पेट्रोलियोस डी वेनेजुएला के अधीन आ गए। इस फैसले के बाद अमेरिकी कंपनियों के लिए वेनेजुएला में तेल निकालना काफी मुश्किल हो गया।

रांग साइड जाकर...

मानिकपुरी 39 साल आरंग खरोरा रायपुर, अमित चंद्रवंशी पिता अयोध्या चंद्रवंशी 37 साल दलदल सिवनी मोवा रायपुर, राजकुमार साहू रायपुर, चालक निलेश्वर धीवर पिता चैतराम धीवर 38 साल दलदल सिवनी मोवा रायपुर निवासी 2 जनवरी 2026 की रात कार क्रमांक सीजी 04 क्यूजे, 2152 में नया साल में अमरकंटक घूमने जाने के लिए निकले थे। 3 जनवरी 2026 की सुबह 9.30 बजे बेलगहना रोड ग्राम भस्को के पास उनकी तेज रफ्तार कार रांग साइड में जाकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसके टकराने से पेड़ फट गया और कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार सभी लोग अंदर फंस गए थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को कार से बाहर निकाला गया।

महिला आरक्षक के...

अपनाया लिया है। महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, बदसलूकी, अमानवीय, निंदनीय व्यवहार, कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार एवं लूट की गंभीर घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार आरोपियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार गहन पतासाजी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में मंगल राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, चिनेश खमारी, निवासी ग्राम आमगांव, प्रेमसिंह राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, कीर्ति श्रीवास, निवासी ग्राम आमगांव तथा वनमाली राठिया, निवासी ग्राम झरना शामिल हैं। इन धाराओं के तहत आरोपियों की हुई गिरफ्तारी- कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त गंभीर घटनाक्रम के संबंध में थाना तमनार में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 109, 74, 76, 296, 351(2), 115 (2), 221, 132, 309(4), 309(6), 3(5) भा.न्या.सं. तथा आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गारे–पेलमा सेक्टर-1 कोयला खदान प्रारंभ किए जाने के संबंध में 08 दिसंबर 2025 को धौराभांठा बाजार मैदान में जनसुनवाई आयोजित की गई थी। इस जनसुनवाई के विरोध में खदान क्षेत्र से प्रभावित 14 ग्रामों के ग्रामीणों द्वारा 12 दिसंबर 2025 से सीएचपी चौक, लिब्रा में आर्थिक नाकेबंदी के उद्देश्य से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था, जिससे आवागमन बाधित हो गया था।

सीएम ने राष्ट्रपति...

पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, जनजातीय व्यंजन, वेशभूषा सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। जनजातिय समाज की सांस्कृतिक पहचान संरक्षित करने काम-साय : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् दीपका, जिला - कोरबा (छ.ग.)
Ph.: 07815 239299, Pin 495452, e-mail: dipkacmo@rediffmail.com

क्रमांक/05/निर्माण / न.पा.प./ 2025 — दीपका, दिनांक 01.01.2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य करने हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि	रिमार्क
1	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Dipka, Chhattisgarh	74.70	01.02.2026 (T.No. 182625)	अमानत राशि, प्रोसेसिंग शुल्क, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेजों को बंद लिफाफा में पंजीकृत डॉक से जमा करने की अंतिम तिथि 05.02.2026 सायं 4.00 बजे तक एवं निविदा खोलने की तिथि 05.02.2026 सायं 5.00 बजे से नियत है।

उपरोक्त निर्माण कार्य की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
नगर पालिका के करों का भुगतान समय-सीमा में अवश्य करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् दीपका जिला - कोरबा (छ.ग.)

Skin Care — डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध.. — Vrinda Multispeciality Hospital, Chest & Allergy Centre
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream — तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप — नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक — 2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें — एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- लड़के एवं लड़कियों की दुकान में काम करवाने हेतु आवश्यकता है कृपया सम्पर्क करें- राजपाल ट्रेडर्स करबला रोड बिलासपुर 9685029222, 94242 43515 **(39546)**

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 **(39545)**

आवश्यकता है- शॉप के लिए 2 लड़के/ 2 लड़की चाहिए अकाउंट की जानकारी हो । संपर्क करें: यश ट्रेडर्स शॉप नं.02, GS प्लाजा, जीत टॉकीज के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर संपर्कः 9770651992, 93290 85957 **(39549)**

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में काउन्टर सेल्स के लिए कार्य हेतु 25 लड़के, लड़कियो की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8109090000, 83193 97645 **(39553)**

आवश्यकता है- आफिस मे कार्य हेतु युवतियों की आवश्यकता हैं वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- PRO Solar Energy Company कालिन्दी कुंज, किचन गार्डन रेस्टोरेंट के पास, गौरव पथ रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 9993316757 **(39552)**

आवश्यकता है- घरेलू देखभाल, केयर टेकर , साफ सफाई पार्लर संबंधित कार्यों हेतु युवक, युवतियां, महिलाएं, लड़के लड़कियां चाहिए, अनुभव आवश्यक नहीं शानदार मनचाहा वेतन पार्टटाइम हेतु हॉस्टल गर्ल्स भी सम्पर्क करें- 9893076853 **(39548)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए (लड़के एवं लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला खोवा मण्डी हनुमान मंदिर के पास गोल बाजार बिलासपुर **(39537)**

आवश्यकता है- फैक्ट्री में वर्क हेतु वेल्डर की आवश्यकता हैं कार्य नियमों एवं सेफ्टी स्टैन्डर्ड अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। वेतनमान 15000/- से 22500/- संपर्क- किसान एग्रो गतौरी रतनपुररोड बिलासपुर 9827892413, 79997 89224 (39551)

आवश्यकता है
चश्मा दुकान में काम करने के लिए लड़का चाहिए। सम्पर्क करें- सपना चश्मा घर सिटी कोतवाली के पीछे तेलीपारा रोड़ बिलासपुर
7024597793

आवश्यकता है- साफ सफाई हेतु दो लड़के एवं ऑफिस कार्य हेतु एक लड़का और रूम सर्विस हेतु एक लड़का चाहिए सबके लिए रहने खाने की पूरी सुविधा सम्पर्क करें- बिलासपुर 9243591860, 88391 69907 **(39547)**

आवश्यकता है- हास्टल मे, साफ सफाई के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 93409 69592, 7828803577 **(39534)**

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु लड़का-1 रिसेप्शनिस्ट चाहिए वेतन योग्यतानुसार+ रहना खाना सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर सुबह 11बजे से 1बजे और शाम 5 बजे से 7बजे तक कॉल करें बिलासपुर, 07752408085 **(39556)**

आवश्यकता है- (1) घरेलू साफ सफाई हेतु महिला (सुबह 9 से शाम 5) वेतन 7500/- महीना (2) वकील ऑफिस हेतु मुंशी एवं ऑफिस बॉय (सुबह 9 से शाम 6) वेतन 10000/- महीना (3) ड्राइवर (सुबह 9 से रात 8) वेतन 12000/- महीना। रहकर काम करने वाले को प्राथमिकता। पता- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़ रायपुर रोड बिलासपुर 93406 00776 **(39539)**

आवश्यकता है- बिलासपुर 36मॉल में सिनेमा फूड काउन्टर मे हेल्फर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी- 8000 (रहना+ खाना) और ola एवं Travels में कार चलाने हेतु 2 ड्राइवरों की आवश्यकता है सैलरी- 12000 सम्पर्क 92439 58051, 81094 00008 (39550)

आवश्यकता है- टेन्ट हाऊस में गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी 5 अंको में सम्पर्क करें- 9827189233 **(39554)**

आवश्यकता है- (1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 9329233000 **(39540)**

आवश्यकता है- घर की गाड़ी गाड़ी चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी प्राथमिकता। ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7987972716 **(39531)**

आवश्यकता है- बिलासपुर शहर में फास्ट फूड और चाइनीज, इंडियन कांटिनेंटल बनाने के लिए अनुभवी शेफ (chef) की आवश्यकता है असिस्टेंट के साथ। सम्पर्क करें- 8349360608, 78691 02530, 7869102531 **(39533)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल छोड़ने, ट्रान्सपोर्ट में जाने हेतु लड़के चाहिए कार्य अवधि 10:30 से रात 9बजे तक वेतन 7000 से 10000 सम्पर्क- प्रीमीयर एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर **(39536)**

आवश्यकता है- अनुभवी सिविल इंजीनियर (बीई सिविल) 1पद, अनुभवी साइट सुपरवाइजर 2पद (साइट पर काम करा सके) अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार पता- सत्य साईं बिल्डर फर्स्ट फ्लोर राजीव प्लाजा 9425530627 **(39529)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कम्प्यूटर में कार्य किये 2 लड़कों की आवश्यकता है। साथ ही पैकिंग कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार तेलीपारा बिलासपुर (2644)

आवश्यकता है- बिलासपुर में Spa और ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिये युवती/ महिला की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता फ्रेशर भी सम्पर्क करें- 63991 66000 **(39541)**

आवश्यकता है- पेमेन्ट रिकवरी, फील्ड वर्क, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिज़ी, GST अकाउन्ट, कोटेशन के अनुभवी लड़के/ लड़की रिकवरी पेमेंट वसूली हेतु लड़के चाहिए सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू, गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(39538)**

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर चांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटर-फिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्पयूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोर कीपर, सुपरवाईजर 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री पता नेहरू नगर बिलासपुर 9285058360 **(39535)**

आवश्यकता है- फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, सेल्समैन, प्यून चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित प्रातः 10 से 12 तक सम्पर्क- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर **(39528)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर शोरूम में सेल्समैन लड़के लड़कियां एवं Busy कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुधा सेल्स, सत्या शोरूम के बाजू में नूतन चौक सरकण्डा बिलासपुर 9827497999 **(39527)**

आवश्यकता है- फ्लैक्स एवं फोटोकॉपी हेतु कम्प्यूटर आपरेटर (हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य) एवं कलेक्शन के लिए लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पर्क करें- गगन फ्लैक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9425535104, 9039968650 **(39522)**

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स, कम्पाउंडर एवं अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 99819 70853 **(39514)**

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12घंटे एवं 24घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता अनुभव 5वर्ष योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क स्थान सिविल लाइन्स रायपुर केवल अनुभवी और जिम्मेदार सपर्क करें- 9109125252, 91099 72720 **(445)**

आवश्यकता है- एजेंसी में कार्य हेतु इच्छुक गार्ड, (योग्यता 10वीं, 12वी पास) अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 9500- 10000/-, कार्य स्थल- बिलासपुर 2पहिया तथा 4पहिया वाले, (समय 11-7 तक) A/4 Associates, अशोक नगर चौक 94255 34940, 9981630084 **(451)**

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु युवतियों व महिलाओं की आवश्यकता है, योग्यता आठवीं, दसवीं से ग्रेजुएशन, वेतन 5000/- +कमीशन, संपर्क करें:- विनोबा नगर बिलासपुर 9039234207 **(448)**

आवश्यकता है- घर में काम काज/साफ सफाई के लिए एक लड़की की आवश्यकता है। 24 घंटे रहना खाना सब फ्री पता- दुर्ग मो. 9340640169, 8839313449 (699)

आवश्यकता है-दुकान में माल निकालने/जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(452)**

बेचना है

बेचना है- सकरी में TnC अप्रूव्ड कॉलोनी 80% बैंक फाइनेंस मात्र 1290 रुपये Sqft में लेने के लिए संपर्क करेः- 9770468361, 87704 13397, 8104963081 site visit free from office **(450)**

बेचना है- सरस्वती कालेज के सामने 100फ्रन्ट में 13080 वर्गफुट सेन्दरी पेन्ड्रीडीह हाइवे पर निरतु कोनी, बिलासपुर में 132फिट 24852 वर्गफुट 225फ्रंट 49704 वर्गफुट, सेन्दरी में 92फ्रंट 13800 वर्गफुट प्लाट सम्पर्क- 93008 78897 **(39542)**

बेचना है- गोकुल धाम उसलापुर बिलासपुर मे 25×40= 1000 वर्गफुट में बना हुआ सर्व सुविधा युक्त नवनिर्मित मकान अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9340252857 **(39544)**

बेचना है- पूर्ण विकसित कॉलोनी यदुनन्दन नगर में विजय विहार में सर्वसुविधा युक्त 2BHK नया मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9131909744 9300696161 **(39543)**

बेचना है- 3/2/ 1BHK Luxury फ्लैट उपलब्ध है सुविधाएं Temple, Swimming Pool Sitting, kids play Area, Gym, yoga Garden, Club House, Jogging Track, Amphitheater हाईकोर्ट के सामने रायपुर रोड, बिलासपुर सम्पर्क- 98271 57523 **(39525)**

बेचना है- दोमुहानी वार्ड नम्बर 43 बिलासपुर मे डायवर्टेड प्लाट 50×45= 2250 वर्गफुट चारो तरफ से वाउंड्रीवाल से घिरा बेचना है फिक्स रेट 760 रूपए प्रति वर्गफुट खरीददार ही सम्पर्क करें- 9827150471 **(39532)**

बेचना है- हार्मोनियम न्यू 13 स्केल चेंजर 4 लाइन ओरिजनल जर्मनी उच्च गुणवत्ता रीड से बना, कलकत्ता फोल्डिंग हारमोनियम बेचना है सम्पर्क करें- 9981492262, 8109445503 **(39521)**

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 98268 96515 **(4129)**

फायनेंस

फायनेंस- बसुधा फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्कः- 9438611337 **(449)**

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिलें — शादी से घबराहट गुप्त रोग — शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी • शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता • लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन • लिंग में टेढ़ापन • वीर्य में शुक्राणु की कमी • बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी • पेशाब में धातु जाना • शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना — सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई — प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक — 9098889899

इसे जरूर पढ़िये और समझिये — वायरल हेपेटाइटिस व सैक्स संबंधित क्लिनिक — आई.एस.ओ. सर्टिफाईड — सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट) रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग 94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200 गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, गिल संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होना है। इसके लिए बीसीसीआई ने वनडे टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल गर्दन मे इंजरी के बाद पूरी तरह से वापस आ गए हैं जबकि उपकप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज सिराज की वापसी हुई है। उनकी वापसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। वह पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में चोटिल हो गए थे।

हार्दिक का वर्कलोड मैनेज

वहीं टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर जगह बनाने से चूक गए। इस बीच, हार्दिक पंड्या को पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं मिली है, जिसके चलते टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान से मैनेज कर रहा है और उन्हें वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल इसके बाद भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी, जिसे देखते हुए सेलेक्टर्स खिलाड़ियों की फिटनेस और लंबे समय तक तैयार रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अय्यर-सिराज की वापसी

वनडे टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा,प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

इन प्लेयर्स को मिला मौका

शुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम में बने रहेंगे। टीम में विकेटकीपिंग ऑप्शन के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत भी शामिल हैं, साथ ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज संभालेंगे, जिन्हें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा का साथ मिलेगा, जबकि कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

तारीख	मैच	स्थान
11 जनवरी	पहला वनडे	वडोदरा
14 जनवरी	दूसरा वनडे	राजकोट
18 जनवरी	तीसरा वनडे	इंदौर

खबर संक्षेप

मयंक यादव जल्द करेंगे मैदान में वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारुप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए। मयंक की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस तेज गेंदबाज पर भरोसा दिखाया और पिछले महीने हुई नीलामी से पहले उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा।

चोट के बाद अय्यर फिट खेलेंगे रिटर्न टू प्ले मैच

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले साल अक्टूबर में लगी तिल्ली (स्पलीन) की चोट से उबरने के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच 6 जनवरी को होने वाले मैच में खेलेंगे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के दौरान अय्यर को चोट लगी थी। उन्हें तिल्ली में घाव और आंतरिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नवंबर की शुरुआत में अय्यर को टीम से रिलीज कर दिया था। इसके बाद दाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब वापसी करने के करीब है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एक सूत्र के अनुसार यह 31 वर्षीय खिलाड़ी अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए 50 ओवरों की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

हार्दिक ने एक ओवर में लगाए लगातार 5 छक्के 144.57 की स्ट्राइक रेट से खेली शतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| राजकोट

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर गरज रहा है। हार्दिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन के पांचवें चरण के मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ तूफानी बैटिंग की और ओवर में लगातार 5 छक्के व एक चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं देवदत्त पडीक्कल ने भी अपने शतकों का चौका पूरा किया।

हार्दिक पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना शतक 68 गेंदों पर पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के और एक चौका लगाकर यानी 6 गेंदों पर 34 रन बनाकर पूरा किया। विदर्भ के खिलाफ हार्दिक ने इस मैच में 92 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से 133 रन की जोरदारा पारी खेली। इस पारी के दौरान हार्दिक का स्ट्राइक रेट 144.57 का रहा। हार्दिक की इस पारी के दम पर बड़ोदा ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए।

पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

विजय हजारे के इस सीजन में देवदत्त पडिक्कल का बल्ला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और 5वें मैच में उन्होंने सीजन का चौथा शतक लगाया। कर्नाटक के इस बैटर ने त्रिपुरा के खिलाफ 120 गेंदों पर 3 छक्का और 8 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 332 रन बनाए। देवदत्त का बल्ला इस सीजन में चल नहीं गरज रहा है। उन्होंने इससे पहले यानी इस सीजन के पहले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ 147 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में केरल के खिलाफ 124 रन बनाए थे। तीसरे मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन की पारी खेली थी जबकि चौथे मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन की की पारी खेली थी। अब 5वें मैच में उन्होंने 108 रन बनाए।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी

गुजरात के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्र के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्र के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

सैमसन ने 90 गेंदों पर ठोका शतक, इशान की टीम हारी

5वें चरण के मुकाबले में केरल ने संजू सैमसन और कप्तान रोहन कुन्नुमल की शानदार शतकीय पारी के दम पर इशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड की टीम को हरा दिया। संजू और रोहन ने केरल को जोरदार शुरुआत की, जिसके दम पर इस टीम को आसान जीत मिली।इस मैच में झारखंड ने टॉस जीता था और फिर 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। केरल को जीत के लिए 312 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 42.3 ओवर में 2 विकेट पर 313 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। संजू और रोहन ने पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की राह आसान कर दी।

टी20 विश्व कप 2026

नामीबिया टीम का ऐलान इरास्मस होंगे कप्तान

दुबई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी-ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे। नामीबिया लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उसे भारत, पाकिस्तान और यूएसए, और नीदरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। नामीबिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 10 फरवरी को अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। 12 फरवरी को भारत के खिलाफ उसका दूसरा मैच भी अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेला जाएगा। 15 फरवरी को चेन्नई में यूएसए के साथ और 18 फरवरी को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में पाकिस्तान के साथ नामीबिया के लीग मैच हैं।

18 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन अनीश-निर्मबेन करेंगे अगुवाई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मौजूदा चैंपियन अनीश थापा और निर्मबेन ठाकोर 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस मैराथन को विश्व एथलेटिक्स से गोल्ड लेबल रेस का दर्जा हासिल है। इस वर्ष की मैराथन में देश के 36 शीर्ष एथलीट भाग लेंगे। इनमें 23 पुरुष और 13 महिला एथलीट शामिल हैं।

भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः पांच लाख रुपए, चार लाख रुपए और तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ी को दो लाख रुपए का अलग पुरस्कार मिलेगा। वर्तमान में भारतीय रिकॉर्ड पुरुष वर्ग में नितेंद्र सिंह रावत (2:15:48 - दो घंटे, 15 मिनट, 48 सेकंड) और महिला वर्ग में सुधा सिंह (2:34:56) के नाम हैं। अनीश को पिछली बार के उपविजेता मान सिंह से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिन्होंने 2025 वालेंसिया मैराथन में 2:13:25 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इनके अलावा श्रीनु बुगाथा और प्रदीप सिंह चौधरी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। महिला एलीट वर्ग में निर्मबेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेंगी।

वावरिंका ने जीत के साथ की नए वर्ष की शुरुआत

पर्थ। इस सत्र के बाद संन्यास लेने की पहले ही घोषणा कर चुके स्टेन वावरिंका ने 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ नए साल की शुरुआत की। तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वावरिंका ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 5-7, 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया। रिंडरकनेच की विश्व रैंकिंग 29 जबकि वावरिंका की 157 है। यह मैच तीन घंटे 16 मिनट तक चला। वावरिंका ने दिसंबर में घोषणा की थी कि यह वर्ष एटीपी टूर पर उनका आखिरी वर्ष होगा। स्विट्जरलैंड की उनकी साथी खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस की लियोलिया जीनजेन को 6-2, 6-4 से हराकर स्विस टीम को 2-0 से अजेय बढ़त दिलाई।

टेनिस

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नाओमी ओसाका कर सकती हैं वापसी

मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं।

-नाओमी ओसाका

एजेंसी ▶▶| पर्थ

चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है।

ओसाका यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने मैच के बाद कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 'वास्तव में बीमार' हो गई थीं और इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। ओसाका ने कहा, 'मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, इसलिए अभी यहां आकर खुशी हो रही है। यह गंभीर नहीं है, लेकिन मैं उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पा रही हूं, जिस स्तर पर मैं करना चाहती हूं, जो थोड़ा निराशाजनक है।'

ओसाका ने कहा, ' मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं। मुझे खांसी, नाक बहना और इस तरह की कई परेशानियां थीं, इसलिए उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले ये सब ठीक हो जाएगा।'

आईएलटी20 : एमआई एमिरेट्स ने बनाई फाइनल में जगह

शारजाह। एमआई एमिरेट्स ने अपने ऑलराउंड खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए एक कम स्कोर वाले मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एमआई एमिरेट्स का सामना डेजर्ट वाइपर्स से होगा। एमआई एमिरेट्स ने नाइट राइडर्स को केवल आठ विकेट पर 120 रन पर रोक दिया और फिर 16.1 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। नाइट राइडर्स के लिए अलीशान शरफू ने 40 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन एमआई एमिरेट्स ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर उस पर दबाव बनाए रखा। एमआई एमिरेट्स की तरफ से एएम ग़ज़नफ़र ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मुहम्मद रोहिद और फजलहक फारुकी ने दो-दो विकेट हासिल किए। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने दूसरे ओवर की शुरुआत में ही मोहम्मद वसीम (10) का विकेट खो दिया और आंद्रे फ्लेचर (05) के सस्ते में आउट होने के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 36 रन हो गया। लेकिन टॉम बैंटन (53 गेंदों में नाबाद 64) और शाकिब अल हसन (24 गेंदों में 38) के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की मदद से एमआई एमिरेट्स ने 23 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर दिया।

पार्ल रॉयल्स ने एमआई केपटाउन को 1 रन से हराया

पार्ल। लुआन ड्रे प्रिटोरियस 98 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे पार्ल रॉयल्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मैच में एमआई केपटाउन को एक रन से हराया। प्रिटोरियस शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उनकी 69 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई शानदार पारी और आसा ट्राइब (34 गेंदों में 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की मदद से रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन ने आठ विकेट 180 रन बनाए। रयान रिकेलटन (36) और रासी वैन डेर डुसेन (42 गेंदों में 59 रन) ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके एमआई केपटाउन को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और 15 ओवर तक उसका स्कोर छह विकेट पर 118 रन हो गया। एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान (18 गेंदों में 35 रन) ने जॉर्ज लिंडे (नाबाद 20) के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। उसे अंतिम ओवर में 15 रन की जरूरत थी, लेकिन राशिद और कागिसो रबाडा के आउट होने से उसकी टीम लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रही। रॉयल्स की तरफ से ओटनील बार्टमैन ने 51 रन देकर चार और सिकंदर रजा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए।

पानी की बोतलों पर लगे भिन्न-भिन्न रंग के ढक्कन का मतलब भी होता है अलग-अलग

नई दिल्ली। रोजमर्रा की जिंदगी में और सफर के दौरान ज्यादातर लोग पानी खरीदकर पीते हैं। पानी की बोतल खरीदते वक्त लोग ब्रांड और कीमत तो चेक कर लेते हैं लेकिन लाखों लोग ऐसे हैं जिन्हें पानी की बोतल पर लगे रंग बिरंगे ढक्कन और उसके मतलब के बारे में पता नहीं होता है। पानी की बोतल पर जो कैप लगा होता है उसका अपना एक खास मतलब होता है। पानी की बोतल के कैप का रंग बताता है कि बोतल में कैसे पानी है। जी हां छोटा सा ढक्कन आपको ये बता सकता है कि आपकी बोतल में कैसा पानी है। पानी की बोतल के रंग बिरंगे लाल, पीले और नीले काले रंग के ढक्कन से साफ होता है कि पानी आरओ वाटर है, फ्लेवर्ड, स्प्रिंग वॉटर, अल्कलाइन या फिर इलेक्ट्रोलाइट वाला है। जानिए पानी की बोतल के कौन से रंग के ढक्कन का क्या मतलब होता है?

पानी की बोतल के ढक्कन का रंग और उसका मतलब क्या होता है?

हरे ढक्कन के मायने

अगर पानी की बोतल का कैप ग्रीन है तो समझ लें कि आप जो पी रहे हैं वो फ्लेवर्ड वॉटर है। यानी इसमें किसी तरह का स्वाद या फ्लेवर मिलाया गया है। यह नॉर्मल पानी नहीं होता इसे टेस्ट के लिए कुछ मिलाकर बनाया गया होता है।

व्हाइट कैप यानी आरओ या प्रोसेस्ड

सफेद ढक्कन वाली पानी की बोतल में आरओ या प्रोसेस्ड वॉटर होता है। इसे मशीन से साफ करके मिनरल्स को बैलेंस किया जाता है।

ब्लैक कैप का मतलब

कई सेलेब्स को आपने ब्लैक कलर के ढक्कन वाली बोतल से पानी पीते देखा होगा। ये काले रंग का ढक्कन अल्कलाइन वॉटर वाली बोतल का होता है। नॉर्मल पानी के मुकाबले अल्कलाइन वॉटर का पीएच लेवल ज्यादा होता है, इसे शरीर में एसिड बैलेंस करने में अच्छा माना जाता है।

नीले ढक्कन का मतलब

अगर ब्लू कैप वाली पानी की बोतल आप खरीद रहे हैं तो इसका मतलब है ये पानी नेचुरल स्प्रिंग वॉटर है। ये पानी प्राकृतिक स्रोतों से लिया गया होता है। इसे बहुत हल्का फिल्टर किया जाता है। इस पानी का टेस्ट नेचुरल और मिनरल से भरा होता है।

लाल ढक्कन का मतलब

पानी की बोतल पर लगा लाल कैप का मतलब होता कि ये इलेक्ट्रोलाइट या कार्बोनेटेड वॉटर है। इस तरह के पानी में कई बार हल्का फिज भी होता है। ये पानी शरीर को जल्दी हाइड्रेशन पहुंचाने के लिए अच्छा होता है।

पीले रंग का ढक्कन

कई बार बोतल पर पीले रंग का ढक्कन लगा होता है। ये पानी विटामिन और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर है। जिसे पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और हेल्दी होता है।

रंग के हिसाब से चुनें अपना पीने का पानी

ऐसे में अब जब भी पानी खरीदें कीमत के साथ पानी की बोतल पर लगे ढक्कन को भी देख लें। अपने हिसाब से हरे, नीले, काले या किसी भी रंग के कैप वाली बोतल खरीद सकते हैं। हालांकि कुछ ब्रांड्स अपनी ब्रांड इमेज को ध्यान में रखते हुए भी ढक्कन के रंगों का चुनाव करते हैं। इसलिए बोतल पर क्या लिखा है ये भी जरूर से चेक कर लें।

दुनिया में सबसे छोटे कद के लोग रहते हैं इन देशों में, जानें किस पायदान पर आता है भारत

आज हम आपको बताएंगे कि दुनिया के सबसे छोटे कद के लोग किन देशों में रहते हैं और इस लिस्ट में भारत किस पायदान पर आता है। रूप-रंग हमेशा से ही मानव जाति के लिए चिंता का विषय रहा है। कद से लेकर रंग तक मानव के शरीर की विविधता जेनेटिक्स, आहार और पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे कारकों पर निर्भर करता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे देश हैं जो अपनी जनसंख्या के कम औसत कद के लिए जाने जाते हैं।

तिमोर-लेस्ते

तिमोर-लेस्ते दुनिया में सबसे कम औसत ऊंचाई वाले लोगों का देश है। दक्षिण-पूर्वी एशिया में तिमोर द्वीप के पूर्वी भाग में स्थित यह देश छोटे कद के लोगों का देश है। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 160 सेंटीमीटर (5 फीट 3 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है। कम कद का मुख्य कारण पोषण की कमी और आनुवंशिक कारण हैं।

लाओस

दक्षिणपूर्व एशिया का एक और देश लाओस दुनिया में दूसरे सबसे कम कद वाले लोगों का देश है। यहां पुरुषों की लंबाई लगभग 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) और महिलाओं की लंबाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है। यहां कम कद का एक प्रमुख कारण आनुवंशिकी है।

सोलोमन द्वीप समूह

प्रशांत महासागर में स्थित मेलनेशियन देश सोलोमन द्वीप समूह में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 157 सेंटीमीटर (5 फीट 2 इंच) है। परंपरागत रूप से द्वीपवासी पारंपरिक आजीविका पर निर्भर रहे हैं जो उनकी अधिक ऊंचाई का एक कारण हो सकता है।

पापुआ न्यू गिनी

सोलोमन द्वीप समूह की तरह ही पापुआ न्यू गिनी में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर और महिलाओं की 157 सेंटीमीटर है, जो सांस्कृतिक और भौगोलिक कारकों की वजह से है।

मोजाम्बिक

दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में मोजाम्बिक में पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 164 सेंटीमीटर (5 फीट 5 इंच) और महिलाओं की 155 सेंटीमीटर (5 फीट 1 इंच) है। हालांकि यह एक तटीय देश है और यहां की जलवायु उष्णकटिबंधीय है, फिर भी कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं औसत ऊंचाई को प्रभावित करती हैं।

भारत की क्या है स्थिति?

भारत सबसे कम कद वाले देशों की सूची में शामिल नहीं है। अरबों की आबादी वाले इस देश में पुरुषों की औसत ऊंचाई 5 फीट 6 इंच है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 5 फीट 4 इंच है। भारत में लोगों की औसत ऊंचाई मध्यम है, लेकिन पोषण, जीवनशैली और आनुवंशिकी जैसे कारकों के कारण वैश्विक औसत से थोड़ी कम है।

दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा 'पुमुकेल' आपके बैग में आराम से हो जाएगा फिट

नई दिल्ली। आमतौर पर एक सामान्य बैग का आकार 21 इंच से अधिक होता है, लेकिन दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा इससे भी छोटा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर चुका घोड़ा 'पुमुकेल' अब आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे छोटा जीवित घोड़ा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पोलैंड के बॉम्बेल नामक घोड़े के नाम था, जिसकी लंबाई 56.7 सेंटीमीटर यानी 22.36 इंच थी।

जर्मनी का रहने वाला है पुमुकेल: जर्मनी में रहने वाले पुमुकेल की लंबाई महज 52.6 सेंटीमीटर (21.1 इंच) है। पुमुकेल सभी की नजरों में तब आया जब वह जर्मन टीवी शो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स- डाइ ग्रोस शो डेर वेल्ट्रेकोर्डे' में एक आकर्षक सहायक के तौर पर गिनीज सर्टिफिकेट्स वितरित करने के लिए स्टेज पर आया था। तब से पुमुकेल स्टार बन गया और अब उसके नाम एक विश्व रिकॉर्ड भी है।

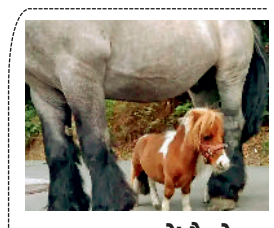

साल 2020 में कैरोला को मिला था यह घोड़ा

पुमुकेल की मालकिन कैरोला वीडेमैन ने बताया कि उन्हें अपनी एक दोस्त से पुमुकेल के बारे में पता चला था, जिसके बाद वह उस छोटे घोड़े को घर ले आईं। उन्होंने आगे कहा, मैं गाड़ी चलाकर अपनी दोस्त की बताई जगह पर गई, पुमुकेल को देखा और सचमुच पूरी तरह से हैरान रह गई। मैंने पहले कभी इतना छोटा घोड़ा नहीं देखा था। कैरोला ने यह भी बताया कि पुमुकेल अक्टूबर 2020 में मेरे पास आया था।

पहले बॉम्बेल के नाम था यह रिकॉर्ड

पुमुकेल से पहले 'दुनिया के सबसे छोटे जीवित घोड़े' का रिकॉर्ड बॉम्बेल के नाम था, जिसके मालिक पैट्रिक और केटरजाइना ने उसको पहली बार साल 2014 में देखा था, उस समय वह केवल दो महीने का था। पैट्रिक और केटरजाइना कहते हैं कि उसके छोटे कद और कम लंबाई के बाद भी उसमें एक विशाल हृदय है। अभी भी वह स्वैच्छिक काम करता है।

थेरेपी घोड़ा है पुमुकेल

कैरोला ने बताया कि जब पुमुकेल उनके पास आया था, तब वह सिर्फ

5 महीने का था और 47 सेमी लंबा था। उन्होंने आगे कहा, मैनें अपने इस छोटे घोड़े को थेरेपी घोड़े के रूप में प्रशिक्षित किया है। यह रोजाना नर्सिंग होम, धर्मशालाओं, स्कूलों और विकलांग लोगों के लिए सुविधाओं का दौरा करता है। वहीं उसकी मेहनत को देख लोग उसे गाजर और सेब जैसी उसकी पसंदीदा चीजें खाने को देते हैं।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा यार्सागुंबा जिसकी कीमत है 20 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। हिमालयी वियाग्रा के नाम से मशहूर यार्सागुंबा दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा कहलाता है। इस कीड़े की कीमत 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है। यह कीड़ा ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नामक फंगस और कैटरपिलर का अनूठा मिश्रण है, जो परजीवी के रूप में पनपता है। नेपाल, तिब्बत और भारत के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जहां गर्मियों में लोग इसे इकट्ठा करते हैं। तस्करी और ब्लैक मार्केट में भारी मांग के कारण इसकी कीमत आसमान छूती है।

क्या है यार्सागुंबा : यार्सागुंबा कोई आम कीड़ा नहीं है, बल्कि यह एक कीड़े और फंगस का मिलाजुला रूप है। यह ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नाम के फंगस द्वारा बनता है, जो कैटरपिलर की बॉडी में परजीवी की तरह पनपता है। ये कीड़े हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों जैसे उत्तराखंड, सिक्किम, नेपाल और तिब्बत में मिलते हैं। गर्मियों में लोग इन ऊंचाई वाले इलाकों में जाकर इन्हें इकट्ठा करते हैं।

यारशागुंबा की कीमत : यार्सागुंबा की कीमत बाजार में 20 लाख प्रति किलो तक जा सकती है। इसकी इतनी ऊंची कीमत की सबसे बड़ी वजह है इसकी दवा के रूप में लोकप्रियता।

सुनकर नहीं होगा भरोसा

शादी से पहले रोना, तीर मारना और पिटाई! दुनियाभर में शादी की कई अनोखी रस्में

दुनियाभर में शादी की अनोखी परंपराएं दूल्हा-दुल्हन के बीच निभाई जाती है। कुछ परंपराएं तो इतनी अजीब हो सकती हैं, कि आप यकीन करने से भी बचेंगे। अलग-अलग जोड़े शादी के दिन अलग तरीके से मनाते हैं। दुनियाभर में शादी से जुड़ी कुछ ऐसी रस्म भी निभाई जाती है, जो वाकई में काफी अजीब हैं। आइए जानते हैं इन परंपराओं के बारे में।

अफ्रीकी गांवों का अनोखा रिवाज

अफ्रीका के कुछ गांवों में एक अनोखा रिवाज है, जिसमें शादी की पहली रात को एक बुजुर्ग महिला नव विवाहित जोड़े को उनके शयनकक्ष तक लेकर जाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि, वह दुल्हन को पहली रात से जुड़ी चीजों के बारे में सब सिखा सकें। आमतौर पर इस रस्म को गांव की किसी बुजुर्ग महिला द्वारा निभाया जाता है, लेकिन कभी कभी यह दुल्हन की मां भी हो सकती है।

चीन में दुल्हन को तीर मारना

चीन का अल्पपसंख्यक युगुर समुदाय में शादी से पहले दूल्हा दुल्हन को तीर मारने की परंपरा निभाता है। इस परंपरा में दूल्हा एक कुंद तीर से दुल्हन को 3 बार निशाना साधकर उसकी ओर तीर चलाता है। तीर चलाने के बाद दूल्हा उन तीरों को तोड़ देता है, ताकि भविष्य में वे कभी आपस में एक दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएं।

दुल्हन को रोज रोना पड़ता है एक घंटा

चीन के तुजियान अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ी एक बेहद अजीब परंपरा निभाई जाती है। जिसमें शादी से एक महीना पहले दुल्हन को हर दिन एक घंटे रोना पड़ता है। इसमें दुल्हन के परिवार की की महिलाएं उनका साथ देती हैं। इस परंपरा को खुशी से जोड़कर देखा जाता है क्योंकि महिलाएं अलग-अलग स्वर में रोती हैं, जिससे एक तरह का गीत उत्पन्न होता है।

स्कॉटलैंड में दूल्हा-दुल्हन को कर देते हैं काला

स्कॉटलैंड में शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन द्वारा एक अजीब तरह की रस्म अदा की जाती है. जिसमें दूल्हा-दुल्हन को काला करके उनपर सड़ा अंडा, खराब दूध, सड़ी मछली और खाने-पीने का कचरा फेंका जाता है। स्कॉटलैंड के लोगों का इस रस्म को लेकर मानना है कि, अगर उन्होंने इसे बर्दाश्त कर लिया तो वे जीवन की तमाम परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com